mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-279 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
10 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ये मुकाम हासिल करने...

@ पेज 7

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मां-बाप कौन बनेगा, यह सरकार तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल, यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमिशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं

लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कॉमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी। कोर्ट ने महीनों चली सुनवाई के बाद जुलाई 2025 में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला....

- कानून बनने से पहले दंपत्तियों ने जब अपना भ्रूण फ्रीज कराया तब कोई कानूनी उम्र सीमा लागू नहीं थी। इसलिए उनके पास सरोगेसी का अधिकार पहले से बना हुआ था। ऐसे में नया कानून पिछले मामलों पर लागू नहीं किया जा सकता।
- सरोगेसी तब शुरू मानी जाएगी जब दंपति के गैमेट्स (स्पर्म और एग) निकाल लिए गए हों और भ्रूण तैयार कर फ्रीज कर दिया गया हो। इसके बाद दंपति का काम पूरा हो जाता है। आगे का प्रोसेस सिर्फ सरोगेट मां से संबंधित है।
- कोर्ट ने सरकार के उस तर्क को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया कि बुजुर्ग माता-पिता बच्चों की देखभाल नहीं कर पाएंगे। इसलिए उम्र सीमा जरूरी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार यह तय नहीं कर सकती कि कौन माता-पिता बनने के योग्य है और कौन नहीं।

20 हजार के इनाम के बाद सिरप कंपनी डायरेक्टर गिरफ्तार,एमपी एसआईटी ने चेन्नई से पकड़ा

जहरीला कफ सिरप इसी की कंपनी का, अबतक 24 मौतें

छिंदवाड़ा,एजेंसी। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई स्ढ्ड्ढ की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा। स्ढ्ड्ढ ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित उसका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित

याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है। वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बुधवार (8 अक्टूबर) की दरमियानी रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था।

मुख्यमंत्री नागपुर पहुंचे, बच्चों का हाल जाना : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज नागपुर पहुंचे। सीएम ने वहां के अस्पतालों में भर्ती चारों बच्चों का हाल जाना। उनके परिजन से बात की। इनमें से गार्विक पवार नागपुर मेडिकल कॉलेज में, अंबिका विश्वकर्मा न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल जबकि कुणाल यदुवंशी और हर्ष यदुवंशी नागपुर एम्स में इलाज करा रहे हैं। इससे पहले सीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार हर कदम पर पीड़ित परिवारों के साथ है।

ब्रिटेन भारत को हल्की मल्टीरोल मिसाइल देने को तैयारः

यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता को समर्थन देगा; भारत-ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के बीच समझौता

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है।

इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (CETA) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा। इससे कारोबार बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा।

दोनों नेताओं ने इंडो-पेसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा की। वहीं, रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ब्रिटेन ने सैन्य प्रशिक्षण समझौता किया है, जिसके तहत भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग प्रशिक्षक अब ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स में ट्रेनर के रूप में काम करेंगे।

मोदी ने स्टार्मर के साथ विजन 2035 की घोषणा की : मोदी ने कहा कि सभी ने भारत की फिनटेक (डिजिटल वित्तीय सेवाओं) क्षेत्र में क्षमता देखी है। आज दुनिया के लगभग 50% रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन के वित्तीय सेवाओं का अनुभव और भारत का डिजिटल प्लेटफॉर्म (DPI) मिलकर पूरे मानवता के लिए फायदेमंद हो सकता है।

मोदी ने कहा कि अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ विजन 2035 की घोषणा की। यह हमारे साझा लक्ष्यों के लिए एक रूपरेखा है। भारत और ब्रिटेन जैसी खुली और लोकतांत्रिक देशों में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां सहयोग बढ़ाया न जा सके।

मोदी बोले- इकॉनमी में बड़े सुधार हो रहे : मोदी ने कहा कि आज भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े सुधार हो रहे हैं। उनका जोर कारोबार को आसान बनाने और नियमों को सरल बनाने पर है। मोदी ने कहा कि हाल ही में सरकार ने GST सुधार की घोषणा की है। इससे मध्यम वर्ग और छोटे-मध्यम व्यवसायों (MSMEs) की वृद्धि को नई ताकत मिलेगी और निवेशकों और व्यवसायियों के लिए नए अवसर खुलेंगे।

भारत में दो डिजिटल बैंक कंपनियां नए निवेश करेंगी

जैसा कि मैंने पिछले दो दिनों में कई बार कहा, यह ट्रेड डील सिर्फ लिखित समझौता नहीं है। यह बताती है कि व्यापार में मुश्किलों को कैसे कम किया जाएगा, चाहे वो टैक्स (टैरिफ) हों या दूसरी तरह की रुकावटें। जब मैं यहां लोगों की बातचीत और जोश देखता हूं, तो मुझे याद आता है कि हमने अभी तक FTA को पूरी तरह लागू नहीं किया है। यह दिखाता है कि औपचारिक समझौते का महत्व भी है, और यह बड़ा फर्क डालेंगे। स्टार्मर ने कहा कि FTA पर काम करने के तीन महीनों में व्यापार और निवेश में 6 बिलियन पाउंड (71 करोड़ रुपए) की बढ़त देखी गई है। हमारा मकसद इसे और आगे बढ़ाना है। स्टार्मर ने कहा कि रोल्स-रॉयस ने भारतीय एयरलाइंस के साथ बड़े नए कॉन्ट्रैक्ट किए हैं। अब रिवोल्ट और टाइड जैसी दो डिजिटल बैंक कंपनियां भारत में नए निवेश करने जा रही हैं।

दिल्ली में पत्नी ने सोते पति पर खौलता तेल डाला,फिर लाल मिर्च छिड़की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अंबेडकर नगर इलाके में घरेलू विवाद के बाद एक महिला ने अपने सोते हुए पति पर खौलता हुआ तेल डाल दिया और फिर उसके घावों पर लाल मिर्च पाउडर छिड़क दिया। पति गंभीर रूप से झुलस गया है और उसे सफदरजंग अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित दिनेश कुमार (28) मदनगीर इलाके में किराए के मकान में पत्नी साधना और एक बेटी के साथ रहता है। दिनेश एक फार्मा कंपनी में काम करता है। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि 2 अक्टूबर की रात ड्यूटी से लौटने के बाद वह खाना खाकर सो गया था।

यूपी में प्राइवेट प्लेन टेकऑफ से पहले झाड़ियों में घुसा

फर्रुखाबाद, एजेंसी। यूपी के फर्रुखाबाद में बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां प्राइवेट प्लेन रनवे से उड़ान भरते समय नियंत्रण खो बैठा और पास की झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विमान के विंग्स, फ्रंट व्हील और जेट फैन टूट गए। फ्यूल टैंक भी डैमेज हुआ है। रनवे पर एयरो फ्यूल टपक रहा है। फिलहाल, विमान में बैठे सभी 6 लोग सुरक्षित हैं।

एयरफोर्स-डे पर परोसी गईं पाकिस्तानी शहरों के नाम की डिशेज

रावलपिंडी चिकन टिक्का से बहावलपुर नान तक, ये ऑपरेशन सिंदूर के टारगेट थे

नई दिल्ली,एजेंसी। इंडियन एयरफोर्स की 93वीं एनिवर्सरी बुधवार को मनाई गई। एयरफोर्स-डे सेलिब्रेशन के डिनर का मेन्यू वायरल हो रहा है। डिनर में परोसी गई डिशेज के नाम पाकिस्तान के उन जगहों पर थे, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निशाना बनाया गया था।

एयरफोर्स-डे पर डिनर में रावलपिंडी चिकन टिक्का मसाला, रफीकी रहरा मटन, भोलारी पनीर मेथी मलाई, सुक्कुर शाम सवेरा कोफ्ता, सरगोधा दाल मखनी, जकोबाबाद मेवा पुलाव और बहावलपुर नान डिशेज परोसी गई। मिठाई में बालाकोट तिरामिसु, मुजफ्फराबाद कुल्फी फालूदा और मुरीदके मीठा पान शामिल थे।

बता दें कि भारतीय वायुसेना ने इसी साल 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। इनमें मुरीदके और बहावलपुर में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के हेडक्वार्टर भी शामिल थे। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के सरगोधा, रहीम यार खान, नूर खान (चकलाला), सुक्कुर, भोलारी, जैकोबाबाद एयरबेस को भी टारगेट किया था। वायुसेना ने इनकी सैटेलाइट तस्वीरें भी जारी की थीं, जिनमें हमले से पहले और हमले के बाद के हालात बताए थे। एयरफोर्स-डे के डिनर पर इन्हीं शहरों के नाम पर मेन्यू तैयार किया गया था।

रिजिजू ने कहा- अब वायुसेना का मेन्यू भी न्यू नॉर्मल का संदेश देता है केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ङ्ग पर एयरफोर्स का मेन्यू शेयर करते हुए लिखा- एयरफोर्स डे के खास मौके पर भारतीय वायुसेना ने दिलचस्प मेन्यू तैयार किया। वायुसेना के मेन्यू में उन पाकिस्तानी एयरबेस के नाम पर व्यंजन थे, जिन पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बमबारी की गई थी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने ङ्ग पर एयरफोर्स का मेन्यू शेयर करते हुए लिखा- व्यंजन परोसने से लेकर न्याय दिलाने तक, अब भारतीय वायुसेना का मेन्यू भी न्यू नॉर्मल का संदेश देता है। वो दिन गए जब 26/11 की घटना होती थी और कोई कार्रवाई नहीं की जाती थी।

सत्ता से बाहर होने पर सपा को याद आते हैं हमारे संत-महापुरुष और पीडीए : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर हमला बोलते हुए कहा कि जब ये सत्ता में रहते हैं तो हमारे संत, महापुरुष और पीडीए याद नहीं आते। सत्ता से बाहर होने पर उनके नाम का गुणगान करते संगोष्ठी और कार्यक्रम करने लगते हैं। बसपा प्रमुख ने गुरुवार को पार्टी संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में भारी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इससे पहले उन्होंने कांशीराम के चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बसपा प्रमुख ने कहा कि कांशीराम की पुण्यतिथि पर संगोष्ठ का ऐलान करने वाले इन

समाजवादियों के दोहरे चरित्र से लोगों को सावधान रहना चाहिए। आज कांशीराम की पुण्यतिथि पर सपा के लोग संगोष्ठी करना चाहते हैं। जब वे सत्ता में रहते है तो न कांशीराम याद आते हैं न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर। जब इनकी सरकार चली जाती है तो इन्हें पीडीए याद आ जाता है और हमारे संत-गुरुओं की संगोष्ठी करने लग जाते हैं। मायातवी ने कहा कि सपा ने ना केवल कांशीराम जी के जीते-जी उनके पार्टी के साथ दग़ा करके उनके मूवमेन्ट को यूपी में कमज़ोर करने की लगातार कोशिशें कीं हैं। बल्कि बसपा सरकार में कासगंज को ज़िला मुख्यालय का दर्जा देकर कांशीराम नगर के नाम से बनाये गये नये ज़िला के नाम को भी जातिवादी सोच व राजनीतिक द्वेष के कारण बदल दिया। इसके अलावा, कांशीराम के नाम से अन्य और भी जो कई विश्वविद्यालय, कालेज, अस्पताल व अन्य संस्थायें आदि बनाये गये उनमें से भी अधिकतर का नाम सपा सरकार के आने पर बदल दिए गए। इनकी घोर दलित विरोधी चाल, चरित्र व चेहरा नहीं तो और क्या है? उन्होंने कहा कि समय-समय पर संकीर्ण राजनीति व वोटों के स्वार्थ की ख़ातिर सपा व कांग्रेस का कांशीराम को स्मरण करना विशुद्ध दिखावा व छलावे का प्रयास है। इस प्रकार की गलत जातिवादी व संकीर्ण सोच वाली सपा, कांग्रेस आदि पार्टियों से लोग ज़रूर सजग व सावधान रहें।

केदारनाथ में रिकॉर्ड 16.56 लाख श्रद्धालु पहुंचे,कपाट बंद होने में 14 दिन बाकी

अब तक 47 लाख लोगों ने की चारधाम यात्रा

देहरादून, एजेंसी। केदारनाथ यात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। बुधवार तक केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 16.56 लाख पहुंच गई है, जबकि मंदिर के कपाट बंद होने में अभी 14 दिन बाकी हैं। 2025 में अकेले बुधवार को 5,614 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना की।

मंदिर के कपाट 23 अक्टूबर को भाई दूज के दिन बंद होंगे। 2024 में पूरे यात्रा सीजन के दौरान कुल 16,52,076 श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे।उत्तराखंड आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से जारी 8 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 मई से लेकर 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे तक कुल 47 लाख 29 हजार 555 श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की है। 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ चार धाम यात्रा शुरू हुई। केदारनाथ धाम 2 मई को और उसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले थे।

मानसून ने बिगाड़ा चारधाम का शेड्यूल, लेकिन यात्रियों का हौसला नहीं टूटा : खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण 1 से 5 सितंबर तक तीर्थयात्रियों का पंजीकरण और चारधाम यात्रा का संचालन रोक दिया गया था। इसे 6 सितंबर को फिर से शुरू किया गया। मानसून के मौसम में भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन ने तीर्थयात्रा को बुरी तरह बाधित किया।

गंगोत्री धाम के रास्ते में धराली का महत्वपूर्ण पड़ाव प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के कारण, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित करनी पड़ी। बारिश थमने के बाद भी यात्रा बहाल करना बड़ी चुनौती थी। हालांकि, प्रशासनिक टीमों ने सामान्य स्थिति बहाल करने और यात्रा मार्गों को फिर से खोलने के लिए युद्धस्तर पर काम किया। गंगोत्री और यमुनोत्री, दोनों की तीर्थयात्राएं कड़े सुरक्षा उपायों के साथ फिर से शुरू हो गई हैं।

हिमाचल में पहली बार अक्टूबर में बर्फ देख सकेंगे टूरिस्ट

3 फीट तक स्नौफॉल, पहले दिसंबर-जनवरी का करना पड़ता था इंतजार

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में टूरिस्ट इस बार अक्टूबर में भी बर्फ देख सकेंगे। आमतौर पर बर्फबारी के लिए दिसंबर जनवरी का इंतजार करना पड़ता है। मगर इस बार अर्ली स्नोफॉल से न केवल टूरिस्ट, बल्कि हिमाचल के पर्यटन कारोबारियों को भी अच्छे कारोबार की आस बंध गई है। राज्य के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी टूरिस्ट से हिमाचल आने की अपील की है। टूरिस्टों के लिए भी अच्छी बात यह है कि कमरों की बुकिंग पर प्राइवेट होटलों में 20 से 50 प्रतिशत तक डिस्काउंट दिया जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप शर्मा ने बताया- इससे पहले 11 अक्टूबर 2018 को केलांग में अर्ली स्नोफॉल 6 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया था। मगर इस बार 6 अक्टूबर को ही करीब एक फीट बर्फबारी हुई है। यह आज तक का सबसे अर्ली स्नोफॉल है। प्रदेश में बीते तीन दिनों के दौरान कुल्लू, लाहौल स्पीति, किन्नौर, चंबा, मंडी, कांगड़ा और शिमला जिला के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। मगर कई जगह एक-दो दिन में बर्फ पिघल जाएगी। अब बात करेंगे उन 10 पर्यटन स्थलों की जहां टूरिस्ट अगले 4-5 दिन या फिर पूरे विंटर सीजन में बर्फ देख सकेंगे।

एमएसएमई के लिए कुछ भी गिरवी रखे बिना मिलेगा ऋण

दिल्ली सरकार और सीजीटीएमएसई की साझेदारी

दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के छोटे उद्यमियों को बिना कुछ गिरवी रखे अब उद्यम शुरू करने के लिए ऋण मिल जाएगा। सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूत करने के लिए बुधवार को दिल्ली सरकार और क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज (सीजीटीएमएसई) के बीच सहयोग को मंजूरी दी गई है।

इस साझेदारी से छोटे उद्यमियों को कुछ भी गिरवी रखे बिना ऋण लेने में मदद मिलेगी और बैंकों को भी ऋण देने में जोखिम नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि इस साझेदारी से दिल्ली का आर्थिक विकास तेज होगा। इससे हजारों उद्यमियों को कर्ज लेने में मदद मिलेगी। इस योजना में विभिन्न श्रेणियों के ऋण लेने वालों को अधिकतम 95 फीसदी तक गारंटी कवरेज मिलेगी। लघु उद्यमों को 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 फीसदी कवरेज सीजीटीएमएसई और 20 फीसदी की कवरेज दिल्ली सरकार से मिलेगी। महिला उद्यमियों और अग्निवीरों को 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 90 फीसदी कवरेज सीजीटीएमएसई और 5 फीसदी गारंटी दिल्ली सरकार से दी जाएगी। अब लघु श्रेणी के अंतर्गत 5 लाख रुपये तक के ऋण पर 85 प्रतिशत कवरेज

सीजीटीएमएसई से और 10 फीसदी कवरेज दिल्ली सरकार से मिलेगी। इसके अलावा 5 लाख रुपये से 10 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 75 फीसदी कवरेज सीजीटीएमएसई और 20 फीसदी दिल्ली सरकार से दी जाएगी। इस तरह सभी तरह के ऋण के लिए कुल कवरेज 95 फीसदी तक रहेगी।

निर्माण, सेवाएं, खुदरा और शिक्षा क्षेत्र शामिल: मुख्यमंत्री ने बताया कि सीजीटीएमएसई की स्थापना वर्ष 2000 में केंद्र सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने की थी। यह संस्था छोटे उद्यमों को बिना कुछ गिरवी रखे कर्ज दिलाने के लिए बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को गारंटी देती है। सीजीटीएमएसई देशभर में 276 सदस्य ऋण संस्थानों के साथ काम कर रही है।

इसका कुल गारंटी पोर्टफोलियो 9.34 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। वित्त वर्ष 2025 में इस संस्था ने 27 लाख ऋण खातों की गारंटी जारी की है जिनकी कुल राशि 3.05 लाख करोड़ रुपये रही। इस योजना में निर्माण, सेवाएं, खुदरा और शिक्षा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस योजना के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब इस योजना के तहत कुल 50 करोड़ रुपये की राशि चरणबद्ध रूप से सीजीटीएमएसई के साथ जोड़े जाने की भी संभावना है।

रोजगार के अवसर बढ़ेंगे: मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे एमएसएमई मजबूत होंगे और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आसानी से ऋण मिलने में मदद मिलेगी, रोजगार और नवाचार बढ़ेगा। नए उद्यम और खासकर महिला उद्यमियों को विशेष रूप से लाभ मिलने की उम्मीद है।

जल्द खुल सकता है चिड़ियाघर, अधिकारियों ने प्रस्ताव शासन को भेजा; अनुमति मिलते ही तय होगी तारीख

दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) जल्द ही खुल सकता हैं। एक अक्तूबर को बर्ड फ्लू को लेकर भेजे गए अंतिम नमूने की रिपोर्ट मंगलवार को नकारात्मक आई। आखिरी नमूना भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज में जांच के लिए भेजा गया था।

हालांकि, बर्ड फ्लू का खतरा पूरी तरह टल गया है और अब आगंतुक जल्द ही अपने परिवार के साथ जानवरों का दीदार कर सकते हैं। इससे उत्साहित अफसरों ने चिड़ियाघर को खोलने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। चिड़ियाघर प्रबंधन का कहना है कि अनुमति मिलते ही चिड़ियाघर को खोलने की तारीख तय कर दी जाएगी। चिड़ियाघर निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि चिड़ियाघर दोबारा खोलने के बाद सभी आगंतुकों के लिए सुरक्षा और स्वच्छता के नए दिशा-निर्देश लागू किए जाएंगे। मास्क पहनना, दूरी बनाए रखना और निर्धारित मार्गों पर ही घूमना अनिवार्य किया जाएगा।

वहीं, पशुओं के बाड़ों के पास अनावश्यक भीड़ न लगे इसके लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी। इससे पहले चिड़ियाघर 30 अगस्त को उस समय बंद कर दिया गया था, जब एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई थी। उस दौरान 12 पक्षियों की मौत हुई थी, जिनमें छह पेंटेड स्टॉर्क, दो ब्लैक-हेडेड आइबिस और चार प्रवासी पेंटेड स्टॉर्क शामिल थे। आखिरी पॉजिटिव नमूना एक सितंबर को मिला था, जिसके बाद एहतियातन चिड़ियाघर को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। इस दौरान चिड़ियाघर परिसर में सैनिटाइजेशन और बायो-सिक्योरिटी उपाय लागू किए गए हैं। जलीय जीवों के लिए खतरा पर्यावरणविद् वरुण गुलाटी ने बताया कि उच्च सल्फाइड स्तर हाइड्रोजन सल्फाइड गैस उत्पन्न करता है, जो जलीय जीवों को मार सकता है और सीवर सिस्टम को क्षतिग्रस्त करता है। इसके अलावा, यह सीवर पाइपों में जंग लगाती है, जिससे रखरखाव की लागत बढ़ती है और दुर्गंध फैलती है। डीपीसीसी की रिपोर्ट से जुड़े अध्ययनों से पता चलता है कि उच्च सल्फाइड वाले अपशिष्ट जल से नदी में जैव विविधता कम होती है।

6 सितंबर के बाद से किसी पक्षी की मौत नहीं: 24 अगस्त से छह सितंबर के बीच पानी वाले पक्षी एवीयरी और आइसोलेशन वार्ड में नौ पेंटेड स्टॉर्क और तीन ब्लैक-हेडेड आइबिस की मौत हुई थी। इनमें से 7 सैंपल्स में एच5एन1 वायरस की पुष्टि हुई थी। हालांकि, 28 अगस्त के बाद से एवीयरी में कोई मौत दर्ज नहीं हुई। वहीं, छह सितंबर के बाद से आइसोलेशन वार्ड में भी सभी पक्षी सुरक्षित हैं।

2 बार पहले भी बंद हो चुका है चिड़ियाघर: बता दें कि बर्ड फ्लू के चलते चिड़ियाघर को यह तीसरी बार अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था। इससे पहले 2016 और 2021 में भी बर्ड फ्लू की वजह से चिड़ियाघर बंद हो चुका है। लेकिन हर बार यह कुछ समय के लिए ही रहा है। चिड़ियाघर में लगभग 96 प्रजातियों के जानवर हैं और यह देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

नालों की गंदगी से बिगड़ रही यमुना की सेहत

पर्यावरण के लिए घातक

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की हालिया रिपोर्ट ने राजधानी के कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी) में जल प्रदूषण की स्थिति पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। 13 सीईटीपी की जांच में ओखला सीईटीपी (24 एमएलडी) को सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला पाया गया, जहां आउटलेट पानी में सल्फाइड का स्तर 2.5 मिलीग्राम/लीटर दर्ज किया गया, जो ईपीए मानक 2.0 से 25 प्रतिशत अधिक है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि यमुना नदी की सेहत को और बिगाड़ रही है, क्योंकि ओखला प्लांट सीधे नदी से जुड़े नालों में अपशिष्ट जल छोड़ता है। रिपोर्ट से पता चलता है कि अन्य पैरामीटर्स जैसे बीओडी, सीओडी और टीएसएस में तो सुधार है, लेकिन सल्फाइड जैसा विषैला तत्व नियंत्रण से बाहर है। डीपीसीसी की आईसी वाटर लैबोरेटरी की तरफ से तैयार इस रिपोर्ट में सैंपल 8 से 22 सितंबर के बीच लिए गए। इसके मुताबिक, राजधानी के कई कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट्स (सीईटीपी) में जल शुद्धिकरण की प्रक्रिया प्रभावी नहीं है। इन प्लांट्स में औद्योगिक अपशिष्ट

जल का उपचार किया जाता है, लेकिन आउटलेट पानी के कई पैरामीटर्स पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (ईपीए) के मानकों से ऊपर पाए गए हैं।

कई मामलों में मानकों की सीमाएं पार हो गई : रिपोर्ट के अनुसार, सीईटीपी के इनलेट और आउटलेट पानी के सैंपल लिए गए, जिनमें पीएच, टोटल सस्पेंडेड सॉलिड्स (टीएसएस), केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), बीओडी, ऑयल एंड ग्रीस, अमोनिकल नाइट्रोजन, सल्फाइड और फॉस्फेट जैसे पैरामीटर्स की जांच की गई। ईपीए मानकों के तहत आउटलेट पानी में बीओडी 30 मिलीग्राम/लीटर से कम, सल्फाइड 2.0 मिलीग्राम/लीटर से कम और अन्य पैरामीटर्स निर्धारित सीमा में होने चाहिए। लेकिन कई मामलों में ये सीमाएं पार हो गईं।

वैज्ञानिक डॉ. श्वेता गुप्ता और अन्य की टीम ने विश्लेषण किया। इसमें पाया गया कि ओखला में इनलेट सल्फाइड 4.2 था, जो उपचार के बाद भी मानक के अनुरूप 2.5 तक नहीं आ सका। यह कमी प्लांट की दक्षता पर सवाल उठाती है, क्योंकि अन्य प्लांट्स में सल्फाइड नियंत्रण बेहतर रहा। उदाहरण के तौर पर एसएमए सीईटीपी में सल्फाइड 2.3 और नरेला में 2.1 था, लेकिन ओखला का स्तर सबसे ऊंचा है। बड़े आकार (24 एमएलडी) के कारण यहां से निकलने वाला अतिरिक्त सल्फाइड लगभग 12 किलोग्राम प्रतिदिन है, जो पर्यावरण पर भारी बोझ डाल रहा है। अमानक प्लांटों की स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, बादली सीईटीपी (12 एमएलडी) में आउटलेट बीओडी 35 मिलीग्राम/लीटर पाया गया, जो मानक 30 से अधिक है। इसी तरह, जीटीके सीईटीपी (6 एमएलडी) में बीओडी 38, एसएमए सीईटीपी (12 एमएलडी) में सल्फाइड 2.3, लॉरेंस रोड सीईटीपी (12 एमएलडी) में बीओडी 33, नरेला सीईटीपी (24 एमएलडी) में सल्फाइड 2.1 और ओखला सीईटीपी (24 एमएलडी) में सल्फाइड 2.5 मिलीग्राम/लीटर दर्ज किया गया। ये सभी ईपीए मानकों से ऊपर हैं, जो दर्शाता है कि इन प्लांट्स में उपचार प्रक्रिया अपर्याप्त है। दूसरी ओर, झिलमिल (16.8 एमएलडी), वजीरपुर ों का पालन किया।

ट्रंप के आदेश पर नेशनल गार्ड के 500 सैनिकों को शिकागो में तैनात किया गया

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर नेशनल गार्ड के 500 सैनिकों को शिकागो में तैनात किया गया। इनको टेक्सास और इलिनॉय से भेजा गया है। इन सैनिकों की तैनाती ग्रेटर शिकागो में संघीय एजेंटों की सुरक्षा के लिए की गई है। हालांकि, इस तैनाती को लेकर कानूनी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। बताया गया है कि इन सैनिकों की तैनाती कम से कम दो माह के लिए की गई है। सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी रक्षा विभाग के उत्तरी कमान ने कहा कि टेक्सास नेशनल गार्ड के लगभग 200 सैनिक और इलिनॉय नेशनल गार्ड के 300 सैनिक ग्रेटर शिकागो क्षेत्र में तैनात किए गए हैं। उनकी तैनाती कम से कम 60 दिनों तक चलेगी। उत्तरी कमान ने एक बयान में कहा, ये बल अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन और अन्य अमेरिकी सरकारी कर्मियों की रक्षा करेंगे। रिपोर्ट के तैनात किया गया है। मंगलवार को टेक्सास नेशनल गार्ड के सैनिकों के पहली बार आने के बाद से नई बाड़ लगाई गई। कर्मचारियों ने मौजूदा बाड़ रेखा के अंदरूनी हिस्से में गुप्त स्क्रीन भी लगाई हैं। यहां कई सैनिक सामान से भरे बैग लेकर आते देखे गए। कुछ के हाथों में राइफलें और फोल्डिंग कुर्सियां भी थीं। उत्तरी कमान ने कहा कि संपत्ति की रक्षा के लिए पहले से तैनात संघीय एजेंटों की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ट के सैनिकों को सुरक्षा घेरा स्थापित करने, भीड़ नियंत्रण करने और तनाव कम करने की रणनीति अपनाने का जिम्मा सौंपा गया है। सैनिकों को संघीय एजेंटों पर हमले या हस्तक्षेप को रोकने के लिए लोगों को अस्थायी रूप से हिरासत में रखने का अधिकार दिया गया है। उत्तरी कमान ने कहा कि वे प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार नहीं करेंगे। इलिनोइस राज्य के नेताओं ने कहा कि उन्हें सोमवार देर रात ही पता चला कि 200 सैनिक मंगलवार से एलवुड बेस पर तैनात होंगे। सेवानिवृत्त अमेरिकी ने कहा कि अपने 30 साल से अधिक के करियर में उन्होंने कभी किसी दूसरे राज्य के नेशनल गार्ड को संघीयकृत होते और फिर दूसरे राज्य में भेजे जाते नहीं देखा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ऑस्ट्रेलिया पहुंचे, रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स बेस पर शानदार स्वागत

कैनबरा, एजेंसी। भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गए हैं। उनका रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फ़ोर्स बेस पर जोरदार स्वागत किया गया। सिंह ने एक्स पर लिखा, कैनबरा के रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स बेस में आगमन पर ऑस्ट्रेलिया के सहायक रक्षामंत्री पीटर खलील ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मैं अपने मित्र, ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री रिचर्ड मार्लेस के साथ शीघ्र ही द्विपक्षीय बैठक की आशा करता हूं।

आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, सिंह की यह यात्रा ऐसे ऐतिहासिक अवसर पर हो रही है, जब भारत और ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) की स्थापना के पांच वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। 2014 के बाद से किसी रक्षा मंत्री की यह पहली ऑस्ट्रेलिया यात्रा है। रक्षामंत्री की यात्रा का मुख्य आकर्षण उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ द्विपक्षीय चर्चा होगी। वह सिडनी में एक व?यापारिक गोलमेज बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। इसमें दोनों पक्षों के उद्योग जगत के दिग्गज शामिल होंगे।

वह ऑस्ट्रेलिया के अन्य राष्ट्रीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। यह यात्रा दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों और रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए नई और सार्थक पहलों की तलाश करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। इस यात्रा के दौरान, तीन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने की योजना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि समय के साथ दोनों देशों के रक्षा संबंधों में विस्तार हुआ है और इसमें दोनों सेनाओं के बीच व्यापक संवाद, सैन्य आदान-प्रदान, उच्च-स्तरीय दौरे, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, समुद्री क्षेत्र में सहयोग, जहाजों के दौरे और द्विपक्षीय अभ्यास शामिल हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 2009 में रणनीतिक साझेदारी से बढ़ाकर 2020 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) कर दिया है। दोनों देशों के बीच गहरा रिश्ता है, जो साझा मूल्यों - बहुलवादी, वेस्टमिंस्टर-शैली के लोकतंत्र, राष्ट्रमंडल परंपराओं, बढ़ती आर्थिक सहभागिता और उच्च-स्तरीय संवादों में निहित है। लंबे समय से चले आ रहे लोगों के बीच संबंध, ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों की उपस्थिति के साथ ही साथ मजबूत पर्यटन एवं खेल संबंधों ने दोनों देशों के बीच स्थायी साझेदारी को और मजबूती प्रदान की है। रिचर्ड मार्लेस ने पिछली बार जून 2025 में भारत का दौरा किया था और अपने समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। इस यात्रा के दौरान उन्?होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी भेंट की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलिनॉय राज्य के गवर्नर जेबी प्रित्जकरऔर शिकागो शहर के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने ट्रंप प्रशासन के नेशनल गार्ड की तैनाती को अदालत में चुनौती दी है। गवर्नर जेबी प्रित्जकर और मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने तर्क दिया है कि शिकागो क्षेत्र में नेशनल गार्ड के सैनिकों की तैनाती की कोई जरूरत नहीं है।

तरिम सरकार और सहयोगियों के बीच सियासी खींचतान; एनसीपी ने सलाहकार की निष्ठा पर खड़े किये सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुहम्मद युनुस-नेतृत्व वाली अस्थायी सरकार और उसके प्रमुख सहयोगी, छात्र-नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के बीच सियासी खींचतान बढ़ती जा रही है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सरकार के सलाहकार बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच सुरक्षित निकास की तलाश कर रहे हैं।

हालांकि, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मामलों की सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा मैं किसी भी तरह का निकास नहीं ढूंढ रही। मैं अपना शेष जीवन बांग्लादेश में बिताऊंगी। उन्होंने एनसीपी नेताओं से स्पष्ट जवाब की मांग की कि उन्होंने ऐसा आरोप क्यों लगाया।

एनसीपी ने ही हसीना को सत्ता से हटाया था : एनसीपी ने फरवरी में

युनुस के आशीर्वाद से राजनीतिक रूप में अपनी पहचान बनाई। यह पार्टी छात्रों के विरोध आंदोलन स्र्ष्ठ की एक बड़ी शाखा है, जिसने पिछले साल की 'जुलाई क्रांति' में हिंसक सड़कों पर प्रदर्शन किया और 5 अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटाया।

सुरक्षित निकास पर हंगामा बढ़ा: युनुस ने अस्थायी सरकार में छात्रों के तीन प्रतिनिधियों को सलाहकार परिषद में शामिल किया। हालांकि, बाद में युनुस ने एनसीपी का नेतृत्व संभालने के लिए इस्तीफा दे दिया, जबकि दो अन्य सदस्य सलाहकार बने रहे। एनसीपी के अनुसार, कई सलाहकार राजनीतिक दलों के साथ बातचीत कर अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीपी के समन्वयक सरजिस आलम ने कहा कुछ सलाहकार अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए सोच रहे हैं। सुरक्षित निकास का विकल्प केवल मृत्यु में है। लोग उनका पीछा करेंगे। संघीय न्यायाधीश अप्रैल पेरी ने सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाने वाले एक अस्थायी निरोधक आदेश के अनुरोध पर बहस के लिए गुरुवार को सुनवाई निर्धारित की है। पेरी ने मुकदमा दायर होने पर संघीय सरकार को संक्षिप्त विवरण दाखिल करने निरोधक आदेश जारी करने से इनकार कर दिया।

पूर्व प्रधानमंत्री और अन्य के खिलाफ गिरतारी वारंट जारी

इस बीच, बांग्लादेश की विशेष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री हसीना और 29 अन्य के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। ये आरोप उनके शासनकाल में कथित जबरन गायब कराए गए लोगों से जुड़े हैं। हालांकि, अस्थायी सरकार ने कहा कि वह सभी राजनीतिक दलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखती है और एनसीपी नेताओं के आरोपों की व्याख्या उनकी जिम्मेदारी है। बांग्लादेश में आगामी फरवरी में राष्ट्रीय चुनावों से पहले यह सियासी उठापटक देश में राजनीतिक अस्थिरता और तनाव की नई लकीर खींच रही है।

पुलिस ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को किया गिरफ्तार, अब तक 235 को किया जा चुका निर्वासित

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे पाए गए। पूछताछ में पता चला कि वे कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने बताया, सभी 28 लोगों को अब एक अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन के लिए आगे की आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं सक्रिय रूप से चल रही हैं। अब तक कुल 235 अवैध बांग्लादेशियों को निर्वासित किया जा चुका है।

मेरठ में हत्या के मामले में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने मेरठ, यूपी में हत्या के मामले में वांछित आरोपी हमजा पुत्र खालिद को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पीड़ित को उसके सीने में गोलियां मारने का वीडियो बनाया था। ये वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ था। इसके पास से एक अत्याधुनिक पिस्तौल, तीन कारतूस और रानी बाग थाना क्षेत्र से चोरी की एक स्कूटी बरामद की गई है।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया कि राधने वाली गली, ऊंचा सिद्दीकी नगर, लिसाड़ी गेट, मेरठ, उत्तर प्रदेश निवासी आदिल पुत्र कामिल को उसके घर से उठाकर पास के एक जंगल में ले जाया गया। जहां उसके दोस्तों ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस संबंध में मेरठ के लोहिया नगर थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस भयावह घटना में पीड़ित को पिस्तौल से पास से सीने में तीन बार गोली मारी गई थीं। हैरानी की बात यह है कि यह वारदात मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड की गई थी था और 12 सेकंड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। आरोपी हमजा की पहचान मुख्य बदमाश के रूप में हुई थी। वह तब से फरार था और गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मेरठ, उत्तर प्रदेश निवासी फरार बदमाश हमजा पुत्र खालिद के बारे में एसआई अंशु कादियान को 8/9 अक्तूबर की मध्यरात्रि को उसकी गतिविधियों के बारे में एक सूचना मिली। इंस्पेक्टर प्रदीप की टीम ने आधी रात को आरोपी को डीडीए जल बोर्ड बिल्डिंग, रोहिणी के पास एक स्कूटी पर जाते देखा गया। जब पुलिस टीम ने उसे रोकने की कोशिश की उसने भागने की कोशिश की, लेकिन जल्दबाजी में उसकी स्कूटी सड़क पर फिसल गई। भागने का कोई रास्ता न पाकर आरोपी ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। जबावी कार्रवाई में एसआई अंशु कादियान और हवलदार महिपाल ने अपनी सर्विस पिस्टल से एक-एक राउंड गोली चलाई। एक गोली आरोपी के बाएं पैर में लगी, जिससे वह गिर गया। इसके बाद उसे पकड़ लिया गया।

साथियों के साथ मिलकर दोस्त की हत्या की थी- पूछताछ के दौरान आरोपी ने कबूल किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने दोस्त आदिल की सीने में करीब तीन गोलियां मारकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। वर्ष 2024 में, उसने एक वसी नामक व्यक्ति पर भी फायरिंग की थी। इससे वह गोली लगने से घायल हो गया था। कुछ दिन पहले, उसके करीबी सहयोगी जुल्कमार को मेरठ पुलिस के साथ एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि वह मौके से भागने में सफल रहा और तब से फरार था। आरोपी हमज़ा एक कुख्यात बदमाश है और वह हत्या और हत्या के प्रयास सहित कई जघन्य आपराधिक मामलों में शामिल है।

ट्रैक्टर सवारों ने एएसआई को पीटकर किया अधमरा, वाहन मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका नार्थ इलाके में चालान के लिए एक ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास करना यातायात विभाग में तैनात एएसआई राजकुमार को भारी पड़ गया। इससे नाराज ट्रैक्टर मालिक ने दो साथियों के साथ एएसआई की लाठी डंडे से पिटाई कर दी। सिर पर डंडा लगने से एएसआई बेहोश हो गए। मौके पर पहुंचे बिंदापुर थाना के एक सिपाही ने उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। ट्रैक्टर मालिक को मौके पर ही दबोच लिया गया। दो अन्य आरोपी फरार हो गए। पुलिस मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। राजकुमार सपरिवार पालम कॉलोनी में रहते हैं। वह दिल्ली यातायात विभाग में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं और उनकी तैनाती द्वारका सर्किल में है। द्वारका नार्थ थाने में दर्ज प्राथमिकी में राजकुमार ने बताया कि 6 अक्तूबर को उनकी तैनाती अन्य पुलिसकर्मियों के साथ द्वारका मोड़ एनएसयूटी रोड पर थी। वह वाहनों का चालान कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक नो इंट्री होने के बावजूद वहां से जाने लगा। राजकुमार ने चालक को ट्रैक्टर रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक उसे भगाकर ले गया। एएसआई ने उसका वीडियो बना लिया। कुछ दूर जाने के बाद उसपर सवार ट्रैक्टर का मालिक उतर कर एएसआई के पास आया और उन्हें धमकाने लगा। इस बीच उसके दो साथी भी आ गए। तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने डंडे से उनके सिर पर हमला किया, जिससे वह बेहोश हो गए। इसी दौरान बिंदापुर थाना में तैनात सिपाही मोनू वहां पहुंचे और एएसआई को हमलावरों से बचाया और ट्रैक्टर मालिक विपिन गार्डन निवासी विरेंद्र सागवान को पकड़ लिया। पुलिस घायल एएसआई राजकुमार को इलाज के लिए पास के अस्पताल में लेकर गई। इलाज करवाने के बाद पुलिस ने उनके बयान पर मामला दर्ज कर लिया।

महापौर से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात, ठोस कचरा प्रबंधन पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। मालदीव, नेपाल सहित विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 30 सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को दिल्ली नगर निगम के सिविक सेंटर में महापौर राजा इकबाल सिंह से भेंट की। यह दौरा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के सहयोग से आयोजित किया गया था। जिसका उद्देश्य दिल्ली नगर निगम के शासन और ठोस कचरा प्रबंधन की कार्यप्रणाली को समझना था। महापौर राजा इकबाल सिंह ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली नगर निगम एशिया की सबसे बड़ी नगरीय निकायों में से एक है, जो करीब 2 करोड़ नागरिकों को सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सतत विकास, जनभागीदारी और नवाचार के माध्यम से निगम शासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ठोस कचरा प्रबंधन प्राथमिक चुनौतियों में से एक है, जिसके समाधान के लिए स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, वैज्ञानिक लैंडफिल प्रबंधन, वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं और सामुदायिक सहभागिता जैसे कदम उठा रहे हैं। महापौर ने कहा कि यह दौरा ज्ञान और अनुभव के आदान-प्रदान का अवसर है, जिससे न केवल प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली की कार्यप्रणाली की जानकारी मिलेगी, बल्कि निगम को भी अन्य देशों की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं से सीखने का अवसर प्राप्त होगा। निगम अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली के टाउन प्लानिंग, मास्टर प्लान, ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान स्वीकृति प्रणाली तथा ठोस कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि दिल्ली एक भू-आवेष्ठित (लैंडलॉक्ड) मेगासिटी होने के कारण यहां शहरी कचरा प्रबंधन से जुड़ी विशिष्ट चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए निगम निरंतर नवाचार कर रहा है। इस अवसर पर उपमहापौर जय भगवान यादव, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, सदन के नेता प्रवेश वाही, स्थायी समिति के उपाध्यक्ष सुन्दर सिंह, निगमायुक्त अश्विनी कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दोस्त संग मिलकर की पत्नी के प्रेमी की हत्या, डंडे से 20 वार कर सिर फोड़ा; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में हुई एक हत्या का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, यह पूरा हत्याकांड अवैध संबंधों को लेकर हुआ था, जिसे आरोपियों ने हादसा दर्शाने की कोशिश की थी। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि 7 अक्टूबर को दुधमनिया गांव के रामपाल प्रजापति ने सूचना दी थी कि उनके चाचा रामाधार प्रजापति सड़क से थोड़ी दूर पर मोटरसाइकिल में दबे पड़े हैं और उनकी मौत हो चुकी है। शुरू से ही मृतक के परिजन इसमें हत्या की आशंका जाहिर कर रहे थे।

दो साल से थी प्रेम संबंध की जानकारी: पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी राजकुमार सिंह की पत्नी से मृतक रामाधार प्रजापति के अवैध संबंध थे। लगभग दो साल पहले इसकी जानकारी आरोपी को हुई थी। पहले तो आरोपियों ने मामला शांत करने का प्रयास किया, लेकिन प्रेम संबंध लगातार जारी रहे।

6 अक्टूबर को हत्या की साजिश रची: इसके बाद 6 अक्टूबर को आरोपी राजकुमार सिंह ने अपने साथी भागीरथी सिंह के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। 6 तारीख की रात जैसे ही रामाधार प्रजापति खेत की तरफ निकला, दोनों आरोपियों ने मिलकर उसे घेर लिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से रामाधार प्रजापति के सिर पर लगभग 20 वार किए, जिससे उसका सिर फट गया और उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपियों ने घटना स्थल पर मृतक के शव के पास मोटरसाइकिल इस तरह से रख दी, जिससे यह लगे कि यह सड़क दुर्घटना में हुई मौत है। पुलिस ने जांच के बाद हत्या का खुलासा किया और दोनों ही आरोपियों राजकुमार सिंह और भागीरथी सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, महिला की मौत

बाइक चालक और युवती घायल, महिला और बेटी को स्टेशन छोड़ने जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी और बाइक चालक पड़ोसी गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना आज सुबह करीब 4 बजे हुई, जब एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

मृतक महिला की पहचान 38 वर्षीय अंजू पाठक के रूप में हुई है। उनकी 18 वर्षीय बेटी आरजू पाठक और बाइक चला रहे सलोने द्विवेदी भी इस हादसे में घायल हुए हैं। तीनों बरगवां रेलवे स्टेशन जा रहे थे, ताकि जबलपुर इंटरसिटी ट्रेन पकड़कर जबलपुर जा सकें। यह हादसा बरगवां थाना क्षेत्र के जयसवाल होटल के सामने हुआ।

राहगीरों की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान अंजू पाठक ने दम तोड़ दिया। आरजू पाठक और सलोने द्विवेदी का उपचार जिला अस्पताल में जारी है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है और ट्रक को भी थाने में रखा गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

रामपुर नैकिन जनपद में वयोश्री एवं एडिप योजना अंतर्गत एलिम्को द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में गुरुवार को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन सभागार में वयोश्री योजना अंतर्गत वृद्धजनों तथा एडिप योजना अंतर्गत दिव्यांगजनों हेतु एलिम्को जबलपुर द्वारा सहायक उपकरण चिह्नांकन शिविर का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद रामपुर नैकिन के अध्यक्ष रामकुमार साहू ने की। इस अवसर पर गजेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष ऋषिराज मिश्रा, जनपद सदस्य बसंत मिश्रा, शेखर साकेत एवं अरुण शेखर सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर का संचालन जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के सीईओ राजीव तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में समग्र अधिकारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी एवं बीपीओ पसुपति नाथ द्विवेदी का विशेष सहयोग रहा।

शिविर में कुल 110 लाभार्थियों का चिह्नांकन किया गया, जिसमें वयोश्री योजना अंतर्गत 52 वृद्धजन तथा एडिप योजना अंतर्गत 58 दिव्यांगजन शामिल रहे। यह शिविर शासन की वयोश्री एवं एडिप योजनाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

नैकिन में 280 बोरी अवैध खाद पकड़ी गई, नायब तहसीलदार पर छोड़ने का आरोप; ग्रामीणों ने किया विरोध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम नैकिन में गुरुवार दोपहर ग्रामीणों ने एक ट्रक में भरी 300 बोरी अवैध खाद पकड़ी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि नायब तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर केवल 20 बोरी खाद जब्त की और शेष 280 बोरी वहीं छोड़ दी। यह घटना गुरुवार दोपहर लगभग 12 बजे की है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना नायब तहसीलदार रामपुर नैकिन महेंद्र द्विवेदी को दी। सूचना मिलते ही तहसीलदार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों का आरोप है कि तहसीलदार ने पूरे मामले को दबाने की कोशिश की। उन्होंने 300 बोरी में से केवल 20 बोरी खाद को जब्त कर तहसील कार्यालय भेजा, जबकि बाकी 280 बोरी खाद उसी स्थान पर छोड़ दी गई। ग्रामीणों ने तहसीलदार पर ट्रक ड्राइवर से गुप्त रूप से बातचीत कर मामले को कमजोर करने का भी आरोप लगाया।

यह खाद ग्राम नैकिन निवासी विजय बैस के घर भंडारित की जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि इस स्थान पर लंबे समय से अवैध रूप से खाद की बिक्री और भंडारण होता रहा है, जिसकी जानकारी प्रशासन को भी थी।

मौके पर मौजूद आदित्य मिश्रा ने बताया कि उनके सामने पूरी 300 बोरी खाद उतारी गई थी, लेकिन तहसीलदार ने सिर्फ औपचारिकता निभाई और 20 बोरी लेकर चले गए।

इस मामले में नायब तहसीलदार महेंद्र द्विवेदी से बात करने पर उन्होंने कहा, खाद का भंडारण सही था, क्योंकि व्यक्ति के पास लाइसेंस है। हालांकि, जब उनसे केवल 20 बोरी जब्त करने का कारण पूछा गया, तो उन्होंने जवाब देने से इनकार करते हुए कहा कि यह उनका काम है और इसमें किसी को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

इस कार्रवाई के दौरान थाना रामपुर नैकिन से सिपाही मोतीलाल रावत और प्रसन्न मिश्रा भी मौके पर मौजूद थे।

मद्यनिषेध सप्ताह के तहत सीधी में नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि महात्मा गांधी जी की 156वीं जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 तक मद्यनिषेध सप्ताह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में बढ़ते मद्यपान एवं नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जनजागृति लाना एवं युवाओं, विद्यार्थियों तथा आमजन में नशामुक्ति की चेतना का प्रसार करना है।

नशे के दुष्परिणामों से विशेष रूप से महिलाएँ अधिक प्रभावित होती हैं। इस क्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी एवं शासकीय मॉडल हाई स्कूल सीधी की छात्राओं एवं स्टाफ द्वारा 08 अक्टूबर 2025 को मद्यनिषेध सप्ताह के तहत नशामुक्ति की शपथ एवं म.च्समकहम पोर्टल के माध्यम से ई-शपथ ली गई।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कलाकार सुरेन्द्र कुमार शुक्ला ने नशामुक्ति संदेश पर आधारित गीत एवं संगीत प्रस्तुत कर उपस्थितजन को मंत्रमुग्ध किया।

उप संचालक सामाजिक न्याय धनंजय मिश्रा ने जिले के सभी विभाग प्रमुखों, उनके अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों, सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों तथा विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, ग्राम रोजगार सहायकों, एनजीओ तथा युवा वर्ग से नशामुक्ति की शपथ लेने एवं म.च्समकहम पोर्टल के माध्यम से ई-शपथ ग्रहण करने की अपील की है।

भवरसेन पुल पर 2 दर्जन मवेशियों का स्थायी डेरा, गोबर के फिसलन से बाइक सवार हो रहे घायल; 34 गांवों की आवाजाही प्रभावित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के चुरहट क्षेत्र में स्थित भवरसेन पुल पर दो दर्जन से अधिक मवेशियों का स्थायी बसेरा है। रामपुर, खड्डी और हनुमानगढ़ को जोड़ने वाला पुल इन दिनों हादसों का केंद्र बन गया है। मवेशियों की मौजूदगी और फैले गोबर के कारण पुल पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे राहगीरों को खतरा हो रहा है। 34 गांवों के लोग इसी पुल से आवाजाही करते हैं और आए दिन बाइक सवार फिसलकर घायल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने गुरुवार को एसडीएम से इसकी शिकायत की।

यह पुल अब गोशाला में तब्दील: ग्रामीण विनय पांडे ने बताया कि पुल पर रोजाना 4 से 5 ट्रैक्टर गोबर फैला रहता है। पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से इसकी सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह पुल अब सड़क कम और गोशाला अधिक प्रतीत होता है। कई दोपहिया वाहन चालक गोबर पर फिसलकर गिर चुके हैं।

ग्रामीण तेज बहादुर ने बताया कि प्रत्येक चार-पांच गांवों के बीच एक बड़ी गोशाला स्वीकृत है, लेकिन वे केवल कागजों पर ही संचालित हैं। वास्तविकता में मवेशी सड़कों पर घूमते रहते हैं और शाम होते ही पुल पर आकर रुक जाते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर हादसों को रोकने की मांग की है।

इस मामले पर चुरहट एसडीएम शैलेश द्विवेदी ने स्वीकार किया कि क्षेत्र में आवारा मवेशियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने मवेशियों की सुरक्षा स्वयं करें और उन्हें सड़कों पर खुला न छोड़ें। एसडीएम ने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति मवेशियों को सड़क पर घूमने देता पाया गया, तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों ने कहा-जब तक सड़क नहीं बनती, स्कूल नहीं जाएंगे

कीचड़ भरे रास्तों से परेशान होकर उठाई आवाज, जल्द बनाने की मांग की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के मझौली जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम भूमिका में बच्चों ने स्कूल का बहिष्कार किया है। गुरुवार सुबह 9:30 बजे गांव के बच्चों ने सड़क न होने के विरोध में यह कदम उठाया। उनका कहना है कि जब तक गांव में सड़क नहीं बनती, वे स्कूल नहीं जाएंगे।

ग्राम भूमिका में लगभग 70 से अधिक मकान हैं, लेकिन आवाजाही के लिए केवल एक कच्चा रास्ता उपलब्ध है। बरसात के मौसम में यह रास्ता कीचड़ से भर जाता है, जिससे बच्चों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। सातवीं कक्षा के छात्र शिवप्रसाद कुशवाहा ने बताया कि बारिश होने पर रास्ता इतना फिसलन भरा हो जाता है कि बच्चे गिर जाते हैं। इससे उनके कपड़े, किताबें और बैग खराब हो जाते हैं।

ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई: उन्होंने कहा इसलिए अब हमने तय किया है कि जब तक सड़क नहीं बनेगी, स्कूल नहीं जाएंगे। आज सुबह हुई बारिश के बाद गांव की गलियां पूरी तरह कीचड़ में बदल गई। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने सड़क की समस्या को लेकर कई बार सरपंच, सचिव, जनपद सीईओ और कलेक्टर से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीण नीलभान सिंह ने बताया हमने कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमें सड़क की सख्त जरूरत है। ग्राम पंचायत को इस ओर ध्यान देना चाहिए। इस मामले पर मझौली तहसीलदार वेदवती सिंह ने कहा कि ग्रामीणों की समस्या जायज है। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्रामीणों के आवेदन पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

तहसीलदार ने कहा अगर ग्राम पंचायत के पास राशि उपलब्ध है, तो तुरंत रास्ते को चलने योग्य बनाया जाएगा। लोगों की समस्या का समाधान हमारी पहली प्राथमिकता है।

पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना नवीनीकरण हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के नवीनीकरण आवेदनों के लिए एम.पी. टास पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ कर दिए गए हैं। यह पोर्टल वर्ष पर्यंत खुला रहेगा, जिससे पात्र विद्यार्थी अपने आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकेंगे।

सभी शासकीय, अशासकीय एवं नोडल संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि वे अपने संस्थान में अध्ययनरत पात्र विद्यार्थियों को इस संबंध में सूचित करें तथा निर्धारित समयावधि में ऑनलाइन आवेदन करवाना सुनिश्चित करें।

संस्थाओं को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि छात्रवृत्ति से संबंधित सूचना संस्थान के सूचना पटल पर प्रदर्शित की जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इस योजना का लाभ समय-सीमा के भीतर ले सकें।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण 2025 को लेकर 08 अक्टूबर 2025 को कलेक्ट्रेट सभागार में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने की। बैठक में उपस्थित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि 8 अक्टूबर को प्रारूप मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है तथा 17 अक्टूबर को अपरान्ह 3 बजे तक प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त की जाएँगी।

अपर कलेक्टर पाण्डेय ने समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि जिन मतदाताओं की 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो गई है, उनके नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराएं। साथ ही अशुद्ध रूप से दर्ज नामों के सुधार, मृतक अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन के कार्य में भी सक्रिय सहयोग प्रदान करें। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बी.एल.ए. की नियुक्ति से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई और शीघ्र नियुक्ति करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर बी.एल.ए. नियुक्ति संबंधी प्रपत्रों सहित नाम सम्मिलन, संशोधन एवं विलोपन हेतु आवश्यक प्रपत्रों के नमूने भी उपलब्ध कराए गए।

बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समयसीमा में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को पूर्ण करें।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविरों का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कार्यपालन अभियंता मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सीधी द्वारा आदेश जारी कर समस्त वितरण केन्द्रों के सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित तिथियों पर विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविरों का आयोजन वितरण केन्द्र कार्यालय स्तर पर किया जाए। इन शिविरों में विद्युत उपभोक्ताओं से प्राप्त बिल संबंधी शिकायतों एवं अन्य समस्याओं की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया जाएगा। शिविर में प्राप्त समस्त शिकायतों को शिकायत पंजी में दर्ज कर, की गई कार्यवाही की जानकारी उसी दिन सायं 5 बजे तक राजस्व कक्ष को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। जारी कार्यक्रमानुसार 10 अक्टूबर 2025 को अमिलिया वितरण केन्द्र में सुनील सिंह (सहा. श्रेणी-03), मझौली में सज्जन सिंह (सहा. श्रेणी-03) तथा पटपरा में प्रभात सिंह (सहा. श्रेणी-03), 11 अक्टूबर को मड़वास में सज्जन सिंह (सहा. श्रेणी-03), चुरहट में ओमप्रकाश शर्मा (सहा. श्रेणी-03), हनुमानगढ़ में शिवेन्द्र प्रताप सिंह (सहा. श्रेणी-03) तथा कुचवाही में राजेश सिंह परिहार (सहा. श्रेणी-03), 14 अक्टूबर को खड्डी में शिवेन्द्र प्रताप सिंह (सहा. श्रेणी-03), रामपुर नैकिन में ओमप्रकाश शर्मा (सहा. श्रेणी-03) तथा बघवार में बृजेश सिंह (सहा. श्रेणी-03), 15 अक्टूबर को सीधी (ग्रामीण) में नागेन्द्र बहादुर सिंह (सहा. श्रेणी-03), मवई में रामनरेश पटेल (सहा. श्रेणी-03) तथा सेमरिया में संजय कुमार पाण्डेय (सहा. श्रेणी-02), 16 अक्टूबर को सीधी (शहर-1) में विष्णु सिंह बघेल (सहा. श्रेणी-03) तथा नेबूहा/खाम्ह में सत्यबहादुर सिंह (सहा. श्रेणी-03), और 17 अक्टूबर 2025 को सीधी (शहर-2) वितरण केन्द्र में रविन्द्र प्रताप सिंह (सहा. श्रेणी-03) को शिविर का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 4441/राजस्व/न.पा.नि./2025 — रीवा, दिनांक 08.10.2025

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अचल सम्पत्ति के नामांतरण के आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो. इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस के अवधि में इस कार्यालय के नामांतरण शाखा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। निर्धारित समय अवधि पश्चात् कोई आपत्ति ग्रहण नहीं की जावेगी। तत्पश्चात् नामांतरण की विधिवत् कार्यवाही की जायेगी।

क्र.	प्रकरण क्रमांक	वार्ड/भवन क्रमांक (भवन की स्थिति)	इन्द्राजी का नाम	नामांतरण ग्रहिता	नामांतरण का आधार
1.	499	17/1055 पीली कोठी दीप काम्पलेक्श, जिला - रीवा (म0प्र0)	श्री परमानंद कोटवानी पिता श्री रामनदास	श्रीमती सरिता कोटवानी पिता स्व. श्री परमानंद कोटवानी	पंजीकृत दानपत्र
2.	500	17/1072/2 मार्तण्ड काम्पलेक्श नरेन्द्र नगर, जिला - रीवा (म0प्र0)	श्री केवलराम वाधवानी पिता श्री दरियानामल बाधवानी	श्री शंकरलाल डिगवानी पिता श्री गोपालदास डिगवानी	क्रय-विक्रय
3.	492	19/253 विवेकानंद वार्ड, जिला- रीवा (म0प्र0)	1. श्री अर्जुनदास गुप्ता पिता स्व. श्री मोहनलाल गुप्ता 2. श्रीमती खुशबू गुप्ता पति श्री अर्जुनदास गुप्ता	श्रीमती सीता भुजवा पति श्री रामसुमिरन भुजवा एवं श्री अमन भुजवा, श्री अमर भुजवा दोनो के पिता श्री रामसुमिरन भुजवा	क्रय-विक्रय
4.	498	18/889/बी-4/8 शिल्पी प्लाजा, जिला - रीवा (म0प्र0)	श्री रमेश वाधवानी पिता श्री जेठानंद बाधवानी	श्रीमती निशा सोनी पति श्री सत्यनारायण सोनी	क्रय-विक्रय
5.	510	26/713 बदरींव चिरहुला, जिला-रीवा (म0प्र0)	श्री दयाराम पाण्डेय पिता श्री रिखीराम पाण्डेय	श्री संतोष नारायण पाण्डेय पिता स्व0 श्री दयाराम पाण्डेय	पंजीकृत हकत्याग

उपायुक्त (राजस्व) हेतु आयुक्त
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

एक वर्दी का मौनः हरियाणा के एडीजीपी वाई. एस. पूरन की आत्महत्या और हमारी सामूहिक असफलता

डॉ. प्रियंका सौरभ

पूरन कुमार की आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक और सामाजिक ढांचे की विफलता का प्रतीक है। मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान न देना, लगातार दबाव और अकेलापन, संवेदनशील अधिकारियों को भीतर से तोड़ देता है। हमें अपने प्रशासनिक तंत्र में नियमित काउंसलिंग, गोपनीय सहायता और संवाद की व्यवस्था करनी होगी। समाज और मीडिया को भी संवेदनशील होना चाहिए, सनसनीखेज़ी की बजाय सहानुभूति और सुधार पर ध्यान देना चाहिए। केवल इसी तरह हम भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोक सकते हैं और अपने अधिकारियों को उनका सम्मान और सुरक्षा दिला सकते हैं।

कभी-कभी किसी घटना की ख़बर केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, बल्कि वह पूरे समाज के भीतर छिपे हुए असंतुलन, दबाव और संवेदनहीनता का दर्पण बन जाती है। हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वाई पूरन कुमार की आत्महत्या ऐसी ही एक घटना है – जो केवल पुलिस विभाग की त्रासदी नहीं, बल्कि उस मानसिक, प्रशासनिक और सामाजिक ढाँचे की विफलता का प्रतीक है, जिसमें पद और प्रतिष्ठा के बावजूद इंसान अकेला और असहाय महसूस करने लगता है।

पूरन कुमार का शव चंडीगढ़ स्थित उनके घर के तहखाने में मिला, जहाँ बताया गया कि वह कमरा पूरी तरह ध्वनि-रोधक था। उनके पास से सरकारी पिस्तौल बरामद हुई। उनकी पत्नी अमनीत कौर एक भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी हैं, जो उस समय जापान में थीं। कोई आत्महत्या-पत्र नहीं मिला। यह सब कुछ इतना अचानक हुआ कि पूरा प्रदेश और प्रशासनिक तंत्र स्तब्ध रह गया।

जब कोई पुलिस अधिकारी आत्महत्या करता है, समाज का पहला सवाल होता है ङ्क इतने ऊँचे पद पर था, उसे क्या कमी थी यही सवाल हमारी सबसे बड़ी भूल है। हम यह भूल जाते हैं कि पद, पैसा या अधिकार कभी भी मन की शांति की गारंटी नहीं देते।

प्रत्येक अधिकारी, चाहे वह किसी भी सेवा में हो, सबसे पहले एक मनुष्य होता है। दिन-रात का तनाव, फाइलों के ढेर, राजनीतिक दबाव, निरंतर आलोचना, और एक ऐसे तंत्र की घुटन जिसमें ईमानदारी को अक्सर कमजोरी समझा जाता है – ये सब किसी भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ सकते हैं। पूरन कुमार के मामले में कहा जा रहा है कि वे हाल के दिनों में पदोन्नति नीति और वरिष्ठ अधिकारियों के व्यवहार से असंतुष्ट थे। लेकिन क्या इन कारणों से जीवन समाप्त करना उचित था नहीं। पर यह भी सच है कि जब कोई व्यवस्था भीतर से सड़ जाती है, तो उसमें संवेदनशील और आत्मसम्मानी व्यक्ति

सबसे पहले टूटते हैं।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य को आज भी कमजोरी के रूप में देखा जाता है। मैं थक गया हूँ या मुझे किसी से बात करनी है जैसे वाक्य कहने में भी लोग डरते हैं कि कहीं उनकी योग्यता या क्षमता पर प्रश्न न उठ जाए। पुलिस बलों में यह स्थिति और भी गंभीर है। लंबे कार्य घंटे, पारिवारिक जीवन में कमी, जनता और राजनीतिक दबाव, भ्रष्टाचार से जूझना, और ऊँचे अधिकारियों की मनमानी – ये सब मिलकर मानसिक थकान को बढ़ाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़े बताते हैं कि हर वर्ष सैकड़ों पुलिसकर्मी आत्महत्या करते हैं, लेकिन शायद ही किसी ने यह गंभीरता से पूछा कि क्यों। उनके लिए न तो परामर्श प्रणाली है, न मनोवैज्ञानिक सहायता, न ही सहानुभूति। पूरन कुमार की घटना भी इसी मौन अवसाद का परिणाम प्रतीत होती है।

जब यह ख़बर सामने आई कि एडीजीपी ने खुद को गोली मारी, तो सोशल मीडिया पर तरह-तरह की टिप्पणियाँ आने लगीं – भ्रष्टाचार होगा, पारिवारिक विवाद रहा होगा, कोई साजिश होगी। यही हमारी सामाजिक बीमारी है – हम संवेदना से पहले संदेह खोजते हैं। कोई यह नहीं पूछता कि वह व्यक्ति अपने भीतर क्या झेल रहा था। कोई नहीं सोचता कि उसकी पत्नी, उसके बच्चे और उसके सहकर्मी किस पीड़ा से गुजर रहे होंगे। हम केवल सुर्खियाँ बनाते हैं, क्योंकि हमारे लिए अब मनुष्य नहीं, केवल समाचार बचा है।

एक अधिकारी, जिसने अपना पूरा जीवन कानून और जनता की सेवा में लगाया, अगर उसी व्यवस्था से हारकर जीवन त्याग देता है, तो यह केवल उसकी नहीं बल्कि पूरे तंत्र की आत्महत्या है। यह असफलता उस व्यवस्था की है जो अपने लोगों को भावनात्मक सहारा नहीं दे पाती। यह विफलता उस समाज की है जो केवल सफलता की दौड़ में भागता है, पर सहानुभूति और संतुलन को भूल गया है। और यह शर्म उस मीडिया की है जो किसी की मृत्यु में भी आकर्षण और टीआरपी खोज लेती है। पूरन कुमार की मौत हमसे यह सवाल पूछती है – क्या इस देश में किसी अधिकारी को ईमानदार, असहमति रखने वाला और संवेदनशील रहकर भी जीने दिया जाएगा

देश में प्रशासनिक अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव कोई नई बात नहीं है। फाइलों, तबादलों, पदोन्नतियों और जांचों का जाल इस कदर फैल गया है कि सच्चा और स्पष्ट बोलने वाला व्यक्ति हमेशा अकेला पड़ जाता है। पूरन कुमार जैसे अधिकारी, जिनकी पहचान स्पष्टवादिता से थी, अक्सर इसी जाल में फँस जाते हैं। वे न तो झुक पाते हैं, न ही समर्थन पा पाते हैं। परिणामस्वरूप भीतर का अकेलापन उन्हें धीरे-धीरे तोड़ देता है। वर्दी बाहर से चमकती है, पर अंदर का मन बुझ जाता है। अगर हम सचमुच इस घटना से कुछ सीखना चाहते हैं, तो तीन मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, मानसिक स्वास्थ्य को संस्थागत व्यवस्था का हिस्सा बनाना होगा। हर राज्य में पुलिस और प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों के लिए नियमित परामर्श, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएँ और गोपनीय सहायता केंद्र होने चाहिए। दूसरा, संवाद और मानवता का वातावरण बनाना होगा। वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थों से केवल आदेश नहीं, बल्कि सहानुभूति भी साझा करें। आप कैसे हैं जैसे कुछ शब्द कई बार जीवन बचा सकते हैं। और तीसरा, मीडिया को अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभानी होगी। किसी आत्महत्या की खबर को सनसनीखेज़ बनाना न केवल असंवेदनशील है बल्कि यह समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। समाचारों का उद्देश्य सुधार और समझ होना चाहिए, न कि मनोरंजन।

पूरन कुमार का शव जिस ध्वनि-रोधक कक्ष में मिला, वह केवल एक भौतिक स्थान नहीं बल्कि पूरे तंत्र की स्थिति का प्रतीक है। एक ऐसा कक्ष, जहाँ बाहर की कोई आवाज़ नहीं पहुँचती और भीतर की कोई पुकार बाहर नहीं आती। यह तहखाना हमारे प्रशासनिक ढाँचे का प्रतीक बन गया है – ऊपर से चमकदार, भीतर से मौन और घुटनभरा।

पूरन कुमार का जाना केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का नुकसान है। यह चेतावनी है कि अगर हमने मानसिक स्वास्थ्य, संवेदनशील नेतृत्व और संवाद को प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएँ और बढ़ेंगी। अब यह स्वीकार करना ही होगा कि मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सहयोग किसी भी आधुनिक शासन की उतनी ही आवश्यकता हैं, जितना अनुशासन और उत्तरदायित्व। एक संवेदनशील व्यवस्था ही एक सुरक्षित समाज की नींव रख सकती है।

पूरन कुमार की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके मौन से सबक लें और भविष्य में किसी भी वर्दीधारी को इतना अकेला न होने दें कि वह अपनी ही आवाज़ को बन्दूक से सदा के लिए मौन कर दे। जब वर्दी का बोझ इंसानियत को कुचल दे, तो सत्ता नहीं, संवेदना की ज़रूरत होती है।

सुरक्षित यातायात, सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश

सड़क दुर्घटनाओं का कारण केवल यातायात नियमों की अनदेखी ही नहीं सड़कों के रखरखाव में कमी भी है। रही-सही कसर यातायात नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति और यातायात संकेतकों के अभाव या फिर उनके सही तरह से काम न करने से पूरी हो जाती है। यह ध्यान रखा जाए कि यातायात तब सुरक्षित होगा जब यातायात नियमों का हर कोई पालन करेगा।

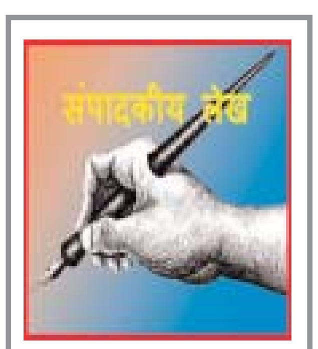

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित यातायात की आवश्यकता पर ध्यान दिया और राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश की सरकारों को निर्देश दिया कि वे सड़क सुरक्षा के नियम तय करें और ऐसा करते समय पैदल यात्रियों एवं गैर मोटर चालित वाहनों की आवाजाही को स्पष्ट तौर पर रेखांकित करें।

हालांकि अभी ऐसे नियम हैं तो, लेकिन पैदल यात्रियों और गैर मशीनी वाहनों की सुरक्षा और सुविधा प्राथमिकता से बाहर हैं। सरकारों को सबकी सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता इसलिए देनी होगी, क्योंकि असुरक्षित यातायात के चलते हर वर्ष जो लाखों लोग जान गंवाते और गंभीर रूप से घायल होते हैं, उनमें एक बड़ी संख्या पैदल यात्रियों और गैर मोटर चालित वाहन चालकों या उनमें बैठे लोगों की होती है।

वैसे मोटर चालित वाहनों की सुरक्षा की भी स्थिति बहुत अच्छी नहीं। भारत में सड़क दुर्घटना में मरने और घायल होने वालों की संख्या विश्व में सबसे अधिक है। यह इसलिए कहीं अधिक चिंताजनक है, क्योंकि देश में विश्व के कई देशों की तुलना में कहीं कम वाहन हैं। यदि इसके बाद भी सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या के मामले में देश शीर्ष पर है तो इसका कारण है सरकारों, यातायात पुलिस और आम लोगों की ओर से सुरक्षित यातायात को महत्व न दिया जाना।

इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि राज्य सरकारें और उनका स्थानीय प्रशासन सुरक्षित यातायात को लेकर आयोजन करता रहता है। कभी हेलमेट, सीट बेल्ट पहनने, सावधानी से सड़क पार करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाता है और कभी यातायात का उल्लंघन करने वालों के साथ सख्ती की जाती है, लेकिन सब जानते हैं कि ऐसी पहल कुछ ही दिन अपना प्रभाव दिखाती है।

जैसे ही यातायात पुलिस की सख्ती थमती है, यातायात अव्यवस्थित एवं अराजक हो जाता है। इस अराजकता का सबसे अधिक शिकार बनते हैं साइकिल, रिक्शा चालक और पैदल यात्री। इसका कारण यह है कि अनेक स्थानों पर तो साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए सड़क पर चलने की गुंजाइश ही नहीं होती। अपने देश में सामान्य सड़कों की बात कौन करे, राजमार्गों पर भी हर तरह के वाहन चलते दिखते हैं। इस कारण भी सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ती है।

सड़क दुर्घटनाओं का कारण केवल यातायात नियमों की अनदेखी ही नहीं, सड़कों के रखरखाव में कमी भी है। रही-सही कसर यातायात नियमों का पालन न करने की प्रवृत्ति और यातायात संकेतकों के अभाव या फिर उनके सही तरह से काम न करने से पूरी हो जाती है।

यह ध्यान रखा जाए कि यातायात तब सुरक्षित होगा, जब यातायात नियमों का हर कोई पालन करेगा। सुरक्षित यातायात को लेकर किसी खास दिन, सप्ताह या पखवाड़े में ही नहीं, हर दिन सतर्क रहा जाना चाहिए।

एक-दूसरे की जरूरत बने भारत-ब्रिटेन, रणनीतिक साझेदारी से ही बनेगी बात भारत-ब्रिटेन संबंध, रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक अवसर

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर अपने पहले भारत दौरे पर हैं। उनका दौरा आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों पर केंद्रित है। मुक्त व्यापार समझौते को प्रभावी बनाने और व्यापार को 42 अरब पाउंड तक ले जाने पर चर्चा होगी। कुछ गतिरोधों के बावजूद, दोनों देश सामरिक सहयोग और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने पर सहमत हैं।

हर्ष वी. पंत

ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीएर स्टार्मर और उनके साथ 125 सदस्यीय विशाल प्रतिनिधिमंडल भारत आ चुका है। बतौर प्रधानमंत्री यह उनका पहला भारत दौरा है। इससे पहले जुलाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक ब्रिटिश दौरे के बाद द्विपक्षीय संबंधों के दृष्टिकोण से स्टार्मर के भारत दौरे पर नजरें टिकी हुई थीं। वैश्विक उथलपुथल और टैरिफ को लेकर चल रही खींचतान ने भी इस दौरे का महत्व और बढ़ा दिया है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी के ब्रिटिश दौरे पर जिन बिंदुओं पर सहमति बनी थी, इस दौरे पर उनकी प्रगति की समीक्षा के साथ ही द्विपक्षीय रिश्तों को नए आयाम दिए जाने की व्यापक रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के इतने बड़े दल के साथ स्टार्मर का आना इस दौरे की महत्ता को ही दर्शाता है। इस समय ब्रिटिश अर्थव्यवस्था जिन चुनौतियों से जूझ रही है उन्हें देखते हुए यह स्वाभाविक है कि उनसे निपटना सरकार की प्राथमिकता में होगा, क्योंकि मौजूदा परिस्थितियों में प्रधानमंत्री की लोकप्रियता भी प्रभावित हो रही है। इसलिए स्टार्मर चाहेंगे कि वे इस दौरे को अधिक से अधिक सार्थक बनाकर ही स्वदेश लौटें।

स्टार्मर के दौरे के कार्यक्रम की रूपरेखा से ही यही संकेत मिलते हैं कि आर्थिक-रणनीतिक एवं सांस्कृतिक संबंध इसके मूल में हैं। चाहे दौरे के लिए भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई का चयन हो या उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से उनकी मुलाकात, सीईओ फोरम में भागीदारी हो या ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में सहभागिता या भारतीय फिल्म निर्माण से जुड़े केंद्रों का अवलोकन, इन सभी गतिविधियों की आर्थिक एवं सांस्कृतिक कड़ियां जुड़ी हुई हैं। जुलाई में पीएम मोदी के ब्रिटेन दौरे पर जिस मुक्त व्यापार समझौते पर बात बनी थी, उसे प्रभावी बनाने से जुड़ी चर्चा भी इस दौरे के एजेंडे में शामिल है। इस बीच, ब्रिटिश कंपनियों द्वारा भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की बात भी प्रमुखता से हो रही है, जिससे आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे ब्रिटेन की आर्थिकी को बड़ा सहारा मिलने की उम्मीद है।

यह दौरा उस पहलू को भी रेखांकित करता है कि भारत-ब्रिटेन संबंध अतीत की औपचारिकताओं से आगे बढ़कर व्यावहारिकता और परस्पर लाभ एवं विश्वास पर केंद्रित हो चले हैं। एक समय दोनों देशों के रिश्ते ऐतिहासिक संबंधों और प्रवासियों से तय होते थे, लेकिन अब ये उन बंदिशों से बाहर निकलकर भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी जैसी पहल से निर्धारित हो रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने वर्ष 2035 तक कुछ महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इसके जरिये व्यापार एवं निवेश, तकनीकी समन्वय एवं रक्षा सहयोग, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए साझा प्रयास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का उन्नयन और लोगों के बीच बेहतर सामाजिक संपर्क जैसे बिंदु शामिल हैं। इस दौरे पर इन पहलुओं की समीक्षा होना स्वाभाविक है। इसमें भी व्यापार एवं निवेश और सामरिक रणनीति के ही मुख्य रूप से केंद्र में रहने के आसार हैं।

दोनों देशों ने अपने व्यापार को बढ़ाकर जल्द ही 42 अरब पाउंड तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। इसमें मुक्त व्यापार समझौते की भूमिका अहम होने वाली है। करीब तीन साल के अथक प्रयासों के बाद अमल में आया यह व्यापार समझौता इतनी ठोस बुनियाद पर किया गया है कि अब जिन देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर चर्चा हो रही है, उसमें यही समझौता मानक बन गया है। इससे मिलने वाले परस्पर लाभ को इसी से समझा जा सकता है कि जहां ब्रिटेन के एल्कोहल उद्योग एवं वाहन उद्योग की भारत जैसे बड़े एवं उभरते बाजार में पहुंच बनेगी, वहीं भारत के कपड़ा, चमड़ा एवं रत्न-आभूषण जैसे व्यापक श्रम खपत वाले उद्योगों को ब्रिटेन जैसे आकर्षक बाजार में पैठ बढ़ाने में मदद मिलेगी। ट्रंप की आक्रामक नीतियों के इस दौर में यह समझौता और अधिक उपयोगी साबित होता दिख रहा है।

भारत और ब्रिटेन के बीच बढ़ते समन्वय के बीच कुछ गतिरोध अभी भी बने हुए हैं। जैसे व्यापार समझौते के बावजूद ब्रिटेन में भारत के स्टील एवं फर्टिलाइजर उत्पादों को लेकर कुछ हिचक का माहौल है। इसके पीछे इन उद्योगों के कार्बन उत्सर्जन को एक कारण बताया जा रहा है। इसी तरह भारत में ब्रिटिश कानूनी सेवाओं को लेकर भी विरोध के स्वर सामने आए हैं। व्यापार समझौते के बाद उम्मीद बंधी थी कि भारतीय पेशेवरों के लिए ब्रिटेन जाने की राह और सुगम होगी, लेकिन उसमें अपेक्षित रूप से सकारात्मकता नहीं देखी जा रही है। संभव है कि स्टार्मर के दौरे पर इन बिंदुओं को लेकर भी कुछ चर्चा के साथ कोई स्वीकार्य समाधान निकालने की दिशा में प्रयास किए जाएं।

सामरिक सहयोग भी द्विपक्षीय संबंधों के केंद्र में बना हुआ है। चूंकि दोनों देश कई बिंदुओं पर साझा सोच रखते हैं, इसलिए सहयोग का मोर्चा भी सुगम दिखता है। समकालीन वैश्विक परिस्थितियों को भांपते हुए ब्रिटेन ने भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ाने का समझदारी भरा रुख अपनाया है। इस क्षेत्र में भारत का प्रभाव उसे एक स्वाभाविक साझेदार बनाता है, जो पिछले कुछ समय में ब्रिटेन के साथ बढ़ रही सक्रियता में नजर भी आ रहा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उत्पन्न चुनौतियों को लेकर भी दोनों देश एकसमान दृष्टिकोण रखते हैं।

चीन की बढ़ती आक्रामकता पर अंकुश से लेकर सामुद्रिक आवाजाही को सुगम एवं सुरक्षित बनाने से लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं में स्थायित्व और संतुलन को लेकर भी दोनों देश एक ही धरातल पर दिखते हैं। सामरिक मोर्चे पर संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने की दिशा में रक्षा तकनीक साझेदारी और रक्षा उत्पादन को लेकर भी कोई सहमति बन सकती है। साथ ही खुफिया सूचनाओं को साझा करने की राह में भी अवरोध दूर किए जाने के पूरे प्रयास होंगे। बदलते वैश्विक ढांचे और परिस्थितियों में भारत-ब्रिटेन साझेदारी की निश्चित रूप से एक बड़ी भूमिका होगी। स्टार्मर का यह दौरा इस साझेदारी को गति प्रदान करने का काम करेगा।

भारत की दृष्टि हैं प्राचीन पांडुलिपियां, राष्ट्र की जीवन स्मृति और उसकी सभ्यता के पहचान की नींव

डॉ. सुशील पांडेय।

ज्ञान भारतम् मिशन का लक्ष्य पांडुलिपियों में निहित भारतीय ज्ञान का संरक्षण करना है। भारत ने 600 से अधिक धरोहरें वापस पाई हैं। भारतीय पांडुलिपियाँ, जो ताड़पत्रों और हस्तनिर्मित कागजों पर सुरक्षित हैं, हमारी सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

पिछले दिनों ज्ञान भारतम् मिशन की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया गया और नई दिल्ली घोषणापत्र अपनाया गया। इसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा के अभिन्न अंग पांडुलिपियों में बिखरे भारतीय ज्ञान के संरक्षण, उनके डिजिटलीकरण और प्रसार के साथ विदेश चली गई मूल कृतियों को वापस लाने का प्रयास शामिल है। इस घोषणापत्र में मूल पांडुलिपियों को वापस प्राप्त करने और उन्हें विदेश से लाने और उनकी डिजिटल प्रतियां सुरक्षित करने, शोध और राष्ट्रीय गौरव के लिए उन तक पहुंच सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया है। भारत अब तक दुनिया भर से चोरी या फिर तस्करी के द्वारा देश के बाहर गई 600 से अधिक धरोहरों को वापस ला चुका है। इनमें अकेले अमेरिका से ही 559 धरोहरों को वापस लाया गया है। पांडुलिपियां किसी राष्ट्र की जीवन स्मृति और उसकी सभ्यता की पहचान की नींव होती हैं। भारत जैसी संस्कृति वाले राष्ट्र के पास पांडुलिपियों का समृद्ध संग्रह है, जिसमें लगभग एक करोड़ ग्रंथ हैं, जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित पांडुलिपियां ताड़ पत्र, हस्तनिर्मित कागजों, शंटी की छालों, कपड़ों, चर्मपत्र, बर्च (भोजपत्र), ताम्रपत्र के रूप में सुरक्षित हैं, जिनका संरक्षण आधुनिक तकनीक से करने के साथ-साथ शोधकर्ताओं तक पहुंच को आसान बनाना आवश्यक है। ये सभी पांडुलिपियां मूल स्रोत के रूप में हस्तलिखित होती थीं, जो मुद्रण यंत्रों के आविष्कार से पहले सूचनाओं को रिकार्ड करने का साधन थीं। मध्यकाल और आधुनिक काल में विदेशी आक्रांताओं ने इन्हें नष्ट तो किया, लेकिन आजादी के बाद इनके महत्व को न समझना और इनका संरक्षण न किया जाना दुखद है। प्राचीन भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को भारतीय इतिहास में भी उचित स्थान नहीं मिल पाया। भारतीय इतिहास की प्रवृत्ति केवल राजनीतिक नहीं थी, जो साम्राज्यों के उत्थान और पतन में दिखती है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, लोक चेतना, मानवता और नैतिकता पर आधारित जीवन दृष्टि, प्रकृति के साथ सामंजस्य और वैज्ञानिक चेतना से युक्त दृष्टि भारतीय जीवन का मूल आधार थी। भारत की दार्शनिक पद्धतियां आध्यात्मिक, धार्मिक और भौतिक चेतना से युक्त थीं, जो अलग-अलग परिस्थितियों में सभी समाजों के लिए मार्गदर्शक के रूप में विद्यमान थीं।

आज का राशिफल

मेषः कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-3-7-9

वृषः मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। शुभांक-3-4-6

मिथुनः स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-3-6-9

कर्कः पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-8-9

सिंहः कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-5-7

कन्याः पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-3-4-8

तुला ञ्च शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिकः जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-4-6-9

धनुः मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शुभांक-6-7-9

मकरः समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। शुभांक-5-7-9

कुम्भः हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-3-5-7

मीनः व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-2-4-6

जल्दी ही वृहद स्तर पर शुरू होगा सड़कों के पुनर्निर्माण का काम

उप मुयमंत्री ने 48 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज अपने सक्ती प्रवास के दौरान अटल परिसर के लोकार्पण के साथ ही विभिन्न विकास कार्यों का भी लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने आज सक्ती जिले के लिए कुल 48 करोड़ 73 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इनमें सक्ती नगर पालिका में 30 लाख रुपए की लागत से निर्मित अटल परिसर और तीन करोड़ नौ लाख रुपए की लागत से सोसायटी चौक से बुधवारी बाजार होते हुए गुरुनानक कॉम्प्लेक्स तक बी.टी. रोड निर्माण कार्य, चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण शामिल हैं। साव ने चार करोड़ 41 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नालंदा परिसर का भूमिपूजन भी किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने सक्ती में पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान के जीर्णोद्धार व सौंदर्यीकरण के लिए 40 लाख रुपए तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने सक्ती नगर पालिका के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल को शहर के विकास के लिए साढ़े तीन करोड़ रुपए के कार्यों का प्रस्ताव भेजने को कहा। उन्होंने नगर पालिका के प्रस्ताव को तत्काल मंजूरी देने की बात कही। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके नए आवासों की चाबी सौंपने के साथ ही राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को चेक प्रदान किया गया। कार्यक्रम में शहर की स्वच्छता दीदियों एवं स्वच्छता मित्रों को सम्मानित भी किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि सक्ती जिले के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। आज यहां युवाओं के लिए नालंदा परिसर का भूमिपूजन किया गया है जो क्षेत्र के युवाओं और प्रतिभागियों के लिए बहुत ही लाभदायक होगा। नालंदा परिसर के माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को पढ़ाई-लिखाई के

लिए बहुत ही अच्छा वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मोदी की एक-एक गारंटी को पूरा करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। पुराने सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों के निर्माण किए जा रहे हैं। सड़कों के पुनर्निर्माण का काम पूरे प्रदेश में जल्द ही वृहद स्तर पर प्रारंभ किया जाएगा।

साव ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी ने छत्तीसगढ़ को बिलासपुर रेलवे जोन, हाई-कोर्ट और रायपुर के एम्स हॉस्पिटल जैसी बड़ी सौगातें दी हैं। हम अपने प्रदेश के लिए उनके योगदान को नहीं भूला सकते। अटलजी ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। उनके योगदान को चिरस्थायी रखने सभी शहरों में अटल परिसर बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सक्ती जिले में 85 करोड़ रुपए की लागत से जल आवर्धन योजना का कार्य अंतिम चरण में है। इसके पूर्ण हो जाने के बाद हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचेगा।

सक्ती नगर पालिका के अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही गौरव की बात है कि आज नगर के विकास के लिए उप मुख्यमंत्री स्वयं आकर अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। पूर्व मंत्री मेघा राम साहू, सक्ती जिला पंचायत की अध्यक्ष द्रौपदी कीर्तन चंद्रा, उपाध्यक्ष कमल किशोर पटेल, जांजगीर-चांपा जिला पंचायत के उपाध्यक्ष गगन जयपुरिहा, सक्ती नगर पालिका के उपाध्यक्ष भारत यादव, कलेक्टर अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, जिला पंचायत के सीईओ वासु जैन और सीएमओ प्रहलाद पाण्डेय सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

अयोध्या धाम के लिए 850 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर रेलवे स्टेशन से रायपुर संभाग के 850 तीर्थ यात्रियों को लेकर स्पेशल ट्रेन प्रभु श्री रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या धाम रवाना हुई। इस यात्रा के दौरान तीर्थ यात्री काशी भी जाएंगे और वहां विश्वनाथ जी के दर्शन भी करेंगे।

इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सर्वश्री सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, इंद्र कुमार साहू, अध्यक्ष जिला पंचायत रायपुर, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा एवं प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पर्यटन, रेलवे और आईआरसीटीसी के अधिकारी-कर्मचारी एवं मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ सरकार की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेशवासियों को प्रभु श्री रामलला के दर्शन कराना है।

नारायणपुर जिले में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल, भवन निर्माण तथा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने 8 करोड़ रूपये मंजूर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा नारायणपुर जिले में स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल, भवन निर्माण तथा शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु 7 करोड़ 98 लाख 83 हजार हजाए की मंजूरी प्रदान की गई है। यह स्वीकृति जिला खनिज न्यास निधि के तहत की गई है।

गौरतलब है कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में विकास के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वनमंत्री श्री केदार कश्यप ने बीड़ा उठाया है। स्वीकृत इन राशियों से अब जिले में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने के साथ ही नवीन शाला भवन, शौचालय निर्माण और पेयजल व्यवस्था सुदृढ़ हो सकेगा।

जिला नारायणपुर अंतर्गत प्राथमिक शाला गोटाजम्हरी, कौशलेनार, नेतानार, इरको, कचोरा, प्राथमिक शाला छोटेफरसगांव, महिमागवाड़ी गायतापारा, कुरूषनार, ज्ञान ज्योति शाला मांझीपारा देवगांव, हाथीबेड़ा, प्राथमिक शाला धौड़ाई, होरादी, तुमेरादी, निरामेटा, तोयामेटा, कदेर, प्राथमिक कन्या आश्रम शाला कंदाड़ी, प्राथमिक बालक आश्रम शाला मुरनार, प्राथमिक शाला कंगाली, प्राथमिक बालक आश्रम शाला कोंगे, बिनागुंडा, उच्च प्राथमिक शाला मण्डाली, मकसोली और मोहंदी में नवीन शाला भवन, अतिरिक्त कक्ष और शौचालय निर्माण कार्य, डीएवी स्कूल नारायणपुर के प्रथम तल में क्लास रूम, लैब, स्टाप रूम एवं शौचालय निर्माण एवं उच्चतर माध्यमिक शाला धौड़ाई, स्वामी आत्मानंद हायर सेकेण्डरी स्कूल ओरछा एवं कोहकामेटा, उच्च प्राथमिक शाला साकडीबेड़ा, माध्यमिक शाला महिमागवाड़ी में नवीन शाला भवन निर्माण कार्य हेतु 04 करोड़ 54 लाख 76 हजार रूपये स्वीकृति मिली है।

इसी प्रकार आंगनबाड़ी केन्द्र कांकेरबेड़ा, तारागांव, लहसुनपदर, बागडोंगरी, मडागड़ा, छोटेकुम्हारी, टिरकानार, सुलेंगा नयापारा, धौड़ाई 03, दण्डवन खासपारा, दण्डवन नयापारा में भवन निर्माण कार्य हेतु 01 करोड़ 28 लाख 59 हजार रूपये स्वीकृत किया गया है, जिसमें मनरेगा से 88 लाख रूपये और जिला खनिज न्यास निधि से 40 लाख 59 हजार रूपये स्वीकृत किया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्र गुटटापाल, रोहताड़, रायनार, झारा, ममनार, बेड़मा, धुरखेड़ा, तुरूषमेटा, बोथा, कन्हारगांव पटेलपारा, राउतपारा, नीचेपारा, दण्डवन में, पेयजल व्यवस्था हेतु 20 लाख 02 हजार रूपये की स्वीकृति दी गई है। वहीं जिले के कन्या छात्रावास हाईस्कूल गरांजी, बालक आश्रम धौड़ाई, तोयनार, कन्या आश्रम रोहताड, बालक आश्रम बेड़मा, लंका, आदेर, कोडोली, काकावाड़ा में नलकूप खनन सह हैण्डपंप स्थापित हेतु 12 लाख 87 हजार रूपये स्वीकृत किया गया है तथा प्राथमिक शाला मड़मनार, झोरीगांव, पेरमापाल, नाउमुंजमेटा, बेड़माकोट, मिरीपारा, टिरकानार, खासपारा, ब्रेहबेड़ा, तोयामेटा, मुण्डाटिकरा, ज्ञान ज्योति शाला बड़कानार और छोटेडोंगर में पेयजल व्यवस्था हेतु 18 लाख 59 हजार रूपये नलकूप खनन सह हैण्डपंप स्थापना कार्य हेतु स्वीकृत किया गया है।

राज्य सरकार की इस पहल से न सिर्फ अधोसंरचना सुदृढ़ की जा रही है। साथ ही मूलभूत आवश्यकताओं जैसे पेयजल, नवीन भवन एवं शौचालय निर्माण इत्यादि की भी समुचित व्यवस्था की जा रही है, जिससे बच्चों में एक नया विश्वास जागृत होगा। जिले के छात्र छात्राओं को आश्रम शालाओं में पढ़ने के लिए बेहतर शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह पहल महज योजनाओं की सूची में नहीं है, यह एक धरातल पर बदलाव की कहानी है। एक ऐसा बदलाव, जो बच्चों की शिक्षा से भविष्य को हकीकत में बदलने के लिए मददगार साबित होगा।

प्रदेश में अब तक 1196.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में अब तक 1196.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक दंतेवाड़ा जिले में सर्वाधिक 1619.1 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 548.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 1135.8 मि.मी., बलौदाबाजार में 990.9 मि.मी., गरियाबंद में 1213.4 मि.मी., महासमुंद में 1038.5 मि.मी. और धमतरी में 1138.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 1194.8 मि.मी., मुंगेली में 1170.9 मि.मी., रायगढ़ में 1386.8 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 1103.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1398.1 मि.मी., सक्ती में 1270.0 मि.मी., कोरबा में 1174.9 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 1103.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 935.6 मि.मी., कबीरधाम में 866.0 मि.मी., राजनांदगांव में 1004.9 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1458.2 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 893.8 मि.मी. और बालोद में 1289.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 792.4 मि.मी., सूरजपुर में 1174.0 मि.मी., बलरामपुर में 1578.4 मि.मी., जशपुर में 1089.7 मि.मी., कोरिया में 1244.6 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1132.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 1599.3 मि.मी., कोंडागांव जिले में 1188.5 मि.मी., कांकेर में 1394.1 मि.मी., नारायणपुर में 1456.0 मि.मी., सुकमा जिले में 1275.0 मि.मी. और बीजापुर जिले में 1613.0 मि.मी. की औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

घर की छत केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं

बल्कि बचत और स्वावलंबन का बना प्रतीक- मनोज जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सूर्य की किरणों से घर की छत केवल ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि बचत और स्वावलंबन का प्रतीक बन गई है। यह पहल पाकरगांव के मनोज जायसवाल सहित आसपास के ग्रामों में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता का वातावरण निर्मित कर रही है। लैलूंगा विकासखंड के पाकरगांव निवासी श्री मनोज जायसवाल ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। शासन की इस जनकल्याणकारी योजना के माध्यम से उन्होंने न केवल अपने घर की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति की है, बल्कि बिजली बिल से भी मुक्ति प्राप्त कर ली है। श्री जायसवाल ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। अगस्त 2025 माह में

उनके सोलर पैनल से कुल 290 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ। इस उत्पादन पर उन्हें 1552 रुपए की छूट प्राप्त हुई, जिसके परिणामस्वरूप उनका बिजली बिल ऋष्णात्मक 1753 रुपए रहा। अब उन्हें बिजली बिल का भुगतान नहीं करना पड़ता, बल्कि भविष्य के बिलों में इस राशि का समायोजन भी किया जा रहा है।

श्री मनोज जायसवाल बताते हैं कि पहले हर माह बढ़ते बिजली बिल से घरेलू बजट पर दबाव बढ़ जाता था। किंतु प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा अपनाने के बाद अब वे न केवल आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भूमिका निभा रहे है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है।

लखपति दीदी बन आर्थिक रूप से बनी सक्षम

स्व-सहायता समूह से जुड़कर सुनीता ने लिखी आत्मनिर्भरता की कहानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान महिलाओं की आर्थिक उन्नयन की दिशा में सार्थक साबित हो रही है। स्व-सहायता समूह की महिलाएं बिहान के माध्यम से लघु उद्यम प्रारंभ कर आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत बन रही है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के ग्राम जिगड़ी की लखपति दीदी सुनीता सिंह ने समूह से जुड़कर अपनी सीमित आजिविका को स्थाई व्यवसाय में बदल लिया है। वर्षा महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष सुनीता सिंह आज एक सफल लखपति दीदी बनकर अन्य महिलाओं को प्रेरित कर रही है।

सुनिता सिंह बताती है कि समूह में जुड़ने से पहले उनका जीवन खेती और मजदूरी पर आधारित था। उनके परिवार की कुल वार्षिक आय लगभग 70,000 थी जो परिवार की बढ़ती जरुरतों के सामने कम थी। सीमित आय के कारण

बच्चों की शिक्षा और परिवार के स्वास्थ्य पर खर्च कर पाना कठिन था, जिससे उन्हें हमेशा आर्थिक निर्भरता का सामना करना पड़ता था।

सुनीता सिंह ने अपने जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए वर्षा महिला स्वयं सहायता समूह से नाता जोड़ा। इस समूह के माध्यम से, उन्हें एनआरएलएम के तहत 15,000 की सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और 60,000 का बैंक ऋण (सीसीएल) प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग का उपयोग करते हुए सुनीता ने एक साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने गांव में होटल-ढाबा संचालन करने का निर्णय लिया। इस नए उद्यम को उन्होंने अपनी कृषि आय के साथ जोड़ दिया। समूह से जुड़ने के बाद उनके परिवार की कुल वार्षिक आय 70,000 से बढ़कर अब 1,12,000 हो गई है। आय में इस वृद्धि ने उनके जीवन में स्थिरता लाई है और वे अब विविधीकृत आय स्रोतों के कारण आर्थिक रूप से अधिक सुरक्षित महसूस करती हैं। आज सुनिता सिंह सिर्फ एक सफल व्यवसायी नहीं हैं बल्कि एक सशक्त लीडर भी है।

आंगनबाड़ी केंद्रों की बदली तस्वीर खेलते-खिलखिलाते नन्हे कदमों से संवर रहा भविष्य

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बने बाल विकास और सामाजिक जागरूकता के मॉडल केंद्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्र अब पोषण और देखभाल के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनते जा रहे हैं। महासमुंद जिले के शहरी सेक्टर-1 अंतर्गत संजय नगर-2, दलदली रोड और विश्वकर्मा वार्ड स्थित सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र इस परिवर्तन की सजीव मिसाल हैं। रंग-बिरंगी दीवारों, शैक्षणिक चित्रों, खेल-खेल में सीखने के तरीकों और खिलखिलाते बच्चों की उपस्थिति ने इन केंद्रों की छवि पूरी तरह बदल दी है।

दीवारों पर उकेरी गई चित्रकारी और संदेश जितनी अच्छी वजन की रेखा, उतना अच्छा बच्चा देखा, लड़का-लड़की एक समान न केवल बाल देखभाल का संदेश दे रहे हैं बल्कि समाज में समानता और स्वास्थ्य जागरूकता का प्रसार भी कर रहे हैं। यहां बच्चों के साथ गर्भवती माताएं और किशोरी बालिकाएं भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो रही हैं। सेक्टर पर्यवेक्षक शीला प्रधान के अनुसार मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, नोनी सुरक्षा, महतारी वंदन योजना और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन इन केंद्रों में हो रहा है। इन पहलों से माताओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। केंद्रों में स्वच्छता और व्यवस्थापन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। आरओ वाटर प्यूरीफायर, स्वच्छ किचन रूम, खेल सामग्री और खेलघर जैसी सुविधाएं बच्चों को सुरक्षित और प्रोत्साहनकारी वातावरण दे रही हैं। अर्ली चाइल्डहुड केयर के तहत बच्चों को भाषा, गणित और व्यवहारिक ज्ञान की बुनियादी शिक्षा रोचक तरीकों से दी जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रूपा भारती और अंजू चंद्राकर बताती हैं कि बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार से लेकर किशोरियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता तक के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। महतारी समितियों की नियमित बैठकें माताओं की सहभागिता सुनिश्चित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के समग्र विकास का सशक्त माध्यम बने।

सक्ती जिले ने आवास निर्माण में बनाया नया कीर्तिमान

30,512 आवास पूर्ण कर प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत नवगठित सक्ती जिला ने उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए वर्ष 2024-25 में तीस हजार पांच सौ बारह आवासों का निर्माण पूर्ण किया है। इस सफलता के साथ सक्ती जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। सक्ति जिले में वर्ष 2016 से वर्ष 2023 तक कुल 44 हजार 319 आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया, जो 95 प्रतिशत उपलब्धि को दर्शाता है। इनमें जिला गठन के उपरांत 10 हजार 182 आवास शामिल हैं। इसी क्रम में वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना के अंतर्गत 30 हजार 512 आवास पूर्ण कर, सक्ती जिला राज्य का तीसरा ऐसा जिला बना है जिसने 30 हजार से अधिक आवास निर्माण कार्य पूरे किए हैं। इस प्रकार अब तक कुल 74 हजार 831 आवास निर्माण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। यह उपलब्धि ग्रामीण विकास और जीवन स्तर सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। जिले में शासन की योजनाओं को पात्र परिवारों तक समयबद्ध तरीके से पहुँचाने की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए निरंतर कार्य किया जा रहा है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री आवास योजना का लक्ष्य केवल मकान बनाना नहीं, बल्कि हर ग्रामीण परिवार को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है।

राजनांदगांव के मिशन जल रक्षा मॉडल को राष्ट्रीय मंच पर मिली प्रशंसा

सेटेलाईट जीआईएस इमेजरी और मैप से हो रहा सटीक मूल्यांकन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित सुजलाम भारत - जल संचय कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के जल रक्षा मिशन मॉडल को राष्ट्रीय मंच पर प्रशंसा मिली है। नई दिल्ली स्थित कन्वेंशन हॉल में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जल रक्षा के राजनांदगांव जिले में किए जा रहे प्रयासों-नवाचारों का पूरा प्रजेंटेशन अधिकारियों ने दिया। सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के जल संरक्षण, भू-जल प्रबंधन एवं जल साक्षरता से जुड़े नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की डायरेक्टर अर्चना वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अर्चना वर्मा ने राजनांदगांव जिले के मिशन जल रक्षा मॉडल की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल अन्य जिलों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है, जो जल संरक्षण की दिशा में सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है। राजनांदगांव जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह द्वारा जिले के अभिनव मिशन जल रक्षा मॉडल का प्रस्तुतिकरण दिया गया। इस दौरान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, नीति आयोग के प्रतिनिधि, जल विशेषज्ञ एवं विभिन्न राज्यों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

राजनांदगांव जिले में मिशन जल रक्षा मॉडल जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण के लिए वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है। जिले के चार में से तीन ब्लॉक सेमी क्रिटिकल जोन अर्थात जल स्तर के विषय में गंभीरता की स्थिति में थे। इन क्षेत्रों में निरंतर प्रयास करते हुए जिले में परकोलेशन टैंक, रिचार्ज शाफ्ट और जल संरचनाओं का निर्माण हाइड्रोजियोलॉजिकल मैप एवं जीआईएस आधारित विश्लेषण के माध्यम से किया गया है। जिससे वर्षा जल का अधिकतम उपयोग संभव हुआ है। इस मॉडल के अंतर्गत स्थानीय सामग्री से कम लागत वाले जल संरचनाएं तैयार कर निर्माण लागत मे कमी लाई गई है। मिशन जल रक्षा के अंतर्गत जल स्वच्छता एवं फसल संगोष्ठी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से ग्राम स्तर पर जल साक्षरता, वर्षा जल संचयन और सामुदायिक स्वच्छता एवं फसल चक्र परिवर्तन जागरूकता को प्रोत्साहित किया गया है। साथ ही जिले में महिला सशक्तिकरण से जल संचय के लिए कार्य कर रहे 1.5 लाख से अधिक महिलाओं के बड़े समूह एवं पद्मश्री फुलबासन बाई और उनके द्वारा चलाई जा रही नीर और नारी जल यात्रा के निरंतर प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान की गई तथा मनरेगा अंतर्गत निर्मित किया जा रहे भू-जल संरक्षण संवर्धन संरचनाओं के लो कॉस्ट तकनीक के संबंध में विस्तृत जानकारी

प्रदान की गई। सैटेलाइट जीआईएस इमेजरी और मैप के माध्यम से जल संरचनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव देखे जाने लगे है। पॉलिसी गैप्स और लो-कॉस्ट स्ट्रक्चर डेवलपमेंट के विषय पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। राजनांदगांव जिले में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार नीति सुधार कर प्रभावी जल प्रबंधन सुनिश्चित किया गया है और भविष्य में भी राज्य शासन से समन्वय स्थापित करते हुए अधिक से अधिक जल संरक्षण संवर्धन संबंधित संरचनाओं को निर्मित किया जाएगा।

खाद के लिए पुलिस ने बांटे टोकन

दिन भर लाइन में लगने के बाद किसानों को मिल रही सिर्फ दो बोरी

रायसेन, एजेंसी। जिले में डीएपी और यूरिया खाद लेने कहीं किसान लंबी लाइन में लगे हैं तो कहीं रतजगा करना पड़ रहा है। किसान सहकारी समितियों और गोदामों पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आगे पड़ रहा है। बुधवार को रायसेन कृषि उपज मंडी स्थित एमपी एग्रो केंद्र पर 500 से अधिक किसान खाद लेने पहुंचे। भीड़ अधिक होने के कारण व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मोर्चा संभाला। कर्मचारियों के साथ मिलकर पुलिस ने किसानों को टोकन बांटे, जिनमें से केवल 400 किसानों को ही टोकन मिल पाए। शेष किसान खाली हाथ लौट गए।

केवल दो बोरी खाद मिल रहा

किसानों ने बताया कि उन्हें एक आधार कार्ड पर केवल दो बोरी खाद दी जा रही है, जबकि उनकी आवश्यकता अधिक है। इस समय कुछ किसानों को धान की फसल के लिए खाद चाहिए, वहीं अधिकतर किसान रबी सीजन की फसलों के लिए खाद लेने पहुंच रहे हैं। भोपाल रोड स्थित जिला विपणन केंद्र के सरकारी गोदाम पर भी उन्हीं किसानों को खाद दी जा रही है, जिन्हें पहले टोकन दिए गए थे।

1150 टोकन बांटे

बेगमगंज में बुधवार को कुल 1150 किसानों को टोकन वितरित किए गए। इस प्रक्रिया के तहत लगभग 180 किसानों को एक-एक एकड़ पर एक बोरी यूरिया और एक बोरी एनपीके दी गई।

शेष किसानों को 4-5 दिन बाद टोकन के माध्यम से खाद लेने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सोसायटियों में भी खाद भेजी जा रही है। छुट्टियों और अचानक बड़ी संख्या में किसानों के आने से व्यवस्था पर दबाव बढ़ा।

कृषि विभाग ने रबी फसलों के लिए खाद की मांग की है, जिसमें यूरिया 75,000 टन, सुपर फास्फेट 6,500 टन, डीएपी 34,099 टन, एनपीके 29,832 टन, एमओपी 1,000 टन, मोनो यूरिया 8,500 लीटर और मोनो डीएपी 3,000 लीटर शामिल है।

सीहोर के मैदान का कायाकल्पपिच और ग्राउंड को दिया जा रहा नया लुक, होगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

सीहोर, एजेंसी एकमात्र क्रिकेट मैदान बीएसआई ग्राउंड इन दिनों नए रूप में तैयार किया जा रहा है। यहां पिच और ग्राउंड को नया लुक दिया जा रहा है ताकि आने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मैदान पर समतलीकरण और पौधारोपण का काम तेजी से चल रहा है। डीसीए के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि बीएसआई मैदान की पिच जल्द ही नए स्वरूप में दिखेगी। ग्राउंड को समतल बनाया जा रहा है और इसके बाद हरी घास लगाई जाएगी। 70 गज की बाउंड्री वाले इस मैदान पर पिचों को भी नया लुक दिया जा रहा है। इस काम पर हजारों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। यह कार्य एसोसिएशन के सचिव अतुल तिवारी और अन्य की देखरेख में किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे यहां क्रिकेट का अभ्यास करते हैं और अकादमियां खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण देती हैं। आगामी प्रतियोगिताओं के संबंध में सचिव अतुल तिवारी और अन्य पदाधिकारियों ने मैदान का निरीक्षण किया। दीपावली के बाद भोपाल क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से यहां ट्रायल मैच और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

फोरलेन पर खड़े ट्राले में लगी भीषण आग

कैबिन जल कर खाक, खाना बनाते समय हादसे की आशंका; ड्रायवर-क्लीनर नहीं मिले

रतलाम, एजेंसी। रतलाम जिले के पास महू-नीमच फोरलेन पर बुधवार रात खड़े एक ट्राले में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि ट्राले का कैबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। आशंका है कि हादसा ड्राइवर और क्लीनर के खाना बनाते समय हुआ। घटना के बाद से दोनों मौके से फरार हैं। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया, जिससे पूरा ट्राला जलने से बच गया। बिलपांक थाना पुलिस के अनुसार, ट्राला क्रमांक ऋ 09 त्र 3016 ग्राम सिमलावदा के पास सड़क किनारे खड़ा था। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन संभावना है कि ड्राइवर और क्लीनर कैबिन के पास खाना बना रहे थे, उसी दौरान आग भड़की होगी।

आग लगते ही भाग गए ड्राइवर-क्लीनर

आग की सूचना पर बिलपांक थाना पुलिस और रतलाम व बदनावर से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग बुझने के बाद जब पुलिस ने कैबिन की जांच की तो अंदर कोई नहीं मिला। माना जा रहा है कि आग लगते ही ड्राइवर और क्लीनर वहां से भाग गए।

नंबर के आधार पर मालिक की हो रही तलाश

पुलिस ने ट्राले के कैबिन की तलाशी ली, लेकिन वहां कोई गैस सिलेंडर या अन्य ज्वलनशील पदार्थ नहीं मिला है। पुलिस अब ट्राले के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर उसके मालिक का पता लगा रही है, ताकि ड्राइवर-क्लीनर से पूछताछ की जा सके।

अजमेर से महाराष्ट्र जा रहा था ट्राला

भोपाल से रात में लौटते समय एसपी अमित कुमार ने फोरलेन पर ट्राले में आग देखी। उसी दौरान उन्होंने बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्राला राजस्थान के अजमेर से महाराष्ट्र जा रहा था। ट्राले में फैक्ट्री की मशीने रखी हुई हैं। थाना प्रभारी खान ने बताया कि ट्रक नंबर के आधार पर मालिक की तलाश की जा रही है।

जंगल में तेंदुए के तीन शावकों की मौत जंगली जानवर के हमले से गई जान

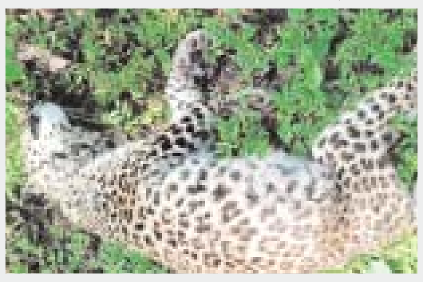

इटारसी, एजेंसी। इटारसी के केसला ब्लॉक के अंतर्गत सुखतवा के ग्राम चाटुआ में बुधवार सुबह तेंदुए के तीन शावक मृत मिले हैं। ये शावक चाटुआ के जंगल में सुबह करीब 7 बजे मिले। इनकी उम्र करीब 9 महीने बताई जा रही है। जानकारी मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। सीसीएफ अशोक कुमार चौहान, एसडीओ मानसिंह मरावी, रेंजर और वनरक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डॉक्टर गुरुदत्त शर्मा की देखरेख में तीनों शावकों का पोस्टमार्टम कराया गया। एसडीओ मानसिंह मरावी ने बताया कि शावकों की मौत किसी जंगली जानवर के हमले से हुई है। इसमें बाघ या तेंदुआ शामिल हो सकता है। जिस जगह शावक मृत मिले, वहां कुछ जंगली जानवरों के निशान भी पाए गए हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि किसी नर या मादा बाघ ने क्षेत्रीय वर्चस्व या शिकार के लिए इस घटना को अंजाम दिया होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एक शावक की कॉलर की हड्डी टूटी मिली। चाटुवा नदी किनारे तीनों शावकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शाम 6 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

महिलाएं करवे, छलनी और पूजन सामग्री खरीदने में व्यस्त, करवा चौथ को लेकर खिलचीपुर के बाजार में शाम तक बनी रही चहल-पहल

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में करवा चौथ का उत्साह चरम पर है। शुक्रवार को मनाए जाने वाले इस पारंपरिक पर्व से एक दिन पहले गुरुवार को सुबह से ही बाजारों में रौनक नजर आने लगी। महिलाएं करवे, छलनी और पूजन सामग्री खरीदने दुकानों पर पहुंच रही हैं। बस स्टैंड और मुख्य बाजार की दुकानें आकर्षक सजावट से सजी हुई हैं, जहां मिट्टी के रंगीन करवे, सजी हुई पूजा थालें, दीपक, कलश, चुनरियां और श्रृंगार सामग्री रखी गई है। दुकानदारों का कहना है कि खरीदी का सिलसिला सुबह से शुरू होकर शाम तक जारी रहा। मिठाई की दुकानों पर भी त्योहार की रौनक देखने को मिल रही है। करवा चौथ के अवसर पर रसगुल्ले, गुलाब जामुन, काजू कतली, मावा बर्फी, लड्डू और सूखे मेवों से बनी मिठाइयां ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। कई दुकानों पर चॉकलेट बर्फी और सिल्वर वर्क लगी मिठाइयां खास पसंद की जा रही हैं। दुकानदारों के अनुसार इस बार महिलाओं की संख्या ज्यादा रही और सजावटी करवों व पूजा सामग्री की बिक्री पिछले साल की तुलना में बेहतर है। गृहिणी अर्चना वर्मा ने बताया कि करवा चौथ हर सुहागिन के लिए सबसे पवित्र पर्व है। आज पूजा की तैयारी पूरी कर ली है, कल व्रत रखकर शाम को चांद देखकर पूजा करेंगे। दुकानदार मनीष गुप्ता ने बताया कि सुबह से लेकर शाम तक ग्राहकों की निरंतर आवाजाही रही, इस बार बिक्री उम्मीद से ज्यादा रही है। कल शुक्रवार को महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर शाम को चांद के दर्शन करेंगी और अपने सुहाग की लंबी उम्र की कामना करेंगी। करवा चौथ का यह पर्व न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि इसने खिलचीपुर के बाजारों को भी सजावट, खुशियों और उल्लास से भर दिया है।

डिंडौरी में शराब पीकर स्कूल पहुंचा टीचर निलंबित, नशे में बच्चों को पढ़ाते हुए मिला था; सरपंच ने स्कूल से निकाला था बाहर

डिंडौरी, एजेंसी। डिंडोरी जिले के मेहदवानी विकासखंड स्थित सरसी एकीकृत माध्यमिक शाला के शिक्षक जनु राम धुर्वे को निलंबित कर दिया गया है। उन पर शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाने का आरोप है। यह कार्रवाई जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त राजेंद्र कुमार जाटव ने की है। निलंबन आदेश के अनुसार, 8 सितंबर को संकुल प्राचार्य आर के चंद्रोल ने स्कूल का निरीक्षण किया था। इस दौरान शिक्षक जनु राम धुर्वे शराब के नशे में बच्चों को पढ़ाते हुए पाए गए। यह कृत्य मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 का उल्लंघन माना गया है। इससे पहले, बुधवार दोपहर को भी संकुल प्राचार्य हेडमास्टर की शिकायत पर स्कूल पहुंचे थे, तब भी शिक्षक नशे की हालत में बच्चों को पढ़ा रहे थे।

बाल संप्रेषण गृह से भागे 6 नाबालिग

टॉयलेट की दीवार में छेद किया, दीवार फांदकर निकले; सभी अपहरण के आरोपी हैं

खंडवा, एजेंसी। बाल संप्रेषण गृह से गुरुवार के दिन 6 बाल अपचारी फरार हो गए। सुबह करीब सवा 6 बजे अपचारियों ने संप्रेषण गृह के एक पुराने शौचालय की दीवार में छेद किया और उसी के रास्ते भाग निकले। फरार हुए सभी अपचारियों पर नाबालिग लड़कियों के अपहरण के केस दर्ज हैं। घटना के बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

खरगोन और बुरहानपुर के रहने वाले हैं सभी

बाल संप्रेषण गृह के प्रभारी अजय कुमार गुप्ता के मुताबिक, फरार हुए 6 बाल अपचारियों में से 5 खरगोन जिले के और 1 बुरहानपुर जिले का रहने वाला है। सभी पर नाबालिग लड़कियों को घर से भगाकर ले जाने के आरोप हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ अपहरण का केस दर्ज किया गया था। इन्हें 2-3 महीने पहले ही यहां भेजा गया था।

पुराने टॉयलेट की दीवार में किया छेद

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के रतागढ़ गांव स्थित बाल संप्रेषण गृह का है। सीएसपी अभिनव बारंगे ने बताया कि अपचारियों ने भागने के लिए संप्रेषण गृह के अंदर बने एक अनुपयोगी (पुराने) शौचालय को चुना। उन्होंने उसकी दीवार में एक बड़ा छेद किया और उसी से दीवार फांदकर भाग गए।

पुलिस ने शुरू की जांच खंगाल रही प्रोफाइल

सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार हुए सभी बाल अपचारियों की प्रोफाइल खंगाली जा रही है और उन्हें पकड़ने के लिए खरगोन व बुरहानपुर पुलिस से भी संपर्क किया जा रहा है।

दूध बेचने पर दो दुकानदारों में हुआ विवाद-जैन समाज के दो दूध विक्रेता आपस में भिड़े

शाजापुर (उज्जैन), एजेंसी के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत हाट मैदान रोड पर आशादीप हॉस्पिटल के सामने गुरुवार सुबह दूध बिक्री को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, भगत सिंह मार्ग निवासी 60 वर्षीय निर्मल जैन ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 7 बजे जब वे अपनी दुकान पर दूध लेकर पहुंचे, तो पड़ोसी प्रदीप जैन और पारसमल जैन ने उन्हें गालियां दीं। आरोप है कि उन्होंने यह कहते हुए हमला किया कि यहां दूध हम बेचते हैं, तुम क्यों बेचते हो। निर्मल जैन के मुताबिक, प्रदीप ने उनके सिर पर पत्थर मारा, जबकि पारसमल ने डंडे से हमला किया। बीच-बचाव करने आईं निर्मल की पत्नी मोना जैन के साथ भी प्रदीप की पत्नी मीना जैन ने मारपीट की। वहीं, दूसरे पक्ष के प्रदीप जैन ने भी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रदीप जैन का आरोप है कि विवाद की शुरुआत निर्मल जैन ने की थी। उन्होंने प्रदीप के पिता को गालियां दीं और फिर डंडा लाकर प्रदीप पर हमला कर दिया। प्रदीप जैन की शिकायत के अनुसार, इस दौरान निर्मल की पत्नी ने मीना जैन के साथ झूमाझटकी की, उन्हें काटा और मारपीट भी की।

कार्तिक मास की शुरुआत-गांवों में एक माह तक सुबह दिंडी यात्राओं और पूजा-अर्चना का आयोजन

बुरहानपुर, एजेंसी। जिले में 8 अक्टूबर से कार्तिक मास शुरू हो गया है। इस दौरान गांवों में पूरे एक महीने तक दिंडी यात्राएं निकाली जाती हैं। गुरुवार सुबह ग्राम डाभियाखेड़ा में भी दिंडी यात्रा आयोजित की गई।

श्रद्धालु प्रतिदिन सुबह 5 बजे उठकर दिंडी यात्रा में शामिल होते हैं। महिलाएं भी इसमें शामिल होकर पूजा-अर्चना करती हैं। ग्रामीणों के अनुसार, लोग सुबह 4 बजे स्नान करते हैं और पूजा-अर्चना के बाद यात्रा में शामिल होते हैं। यात्रा गांव में भ्रमण करती है, जहां महिलाएं यात्रा में शामिल बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लेती हैं।

2 दिन होगी अमावस्या, 20 दीपावली

हिंदी पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास 8 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा। इस महीने का सबसे बड़ा पर्व दीपावली 20 अक्टूबर को है। इस बार कार्तिक मास की अमावस्या दो दिन की होने के कारण दीपावली की तारीख को लेकर पंचांग में भेद हैं, लेकिन ज्योतिषियों के अनुसार 20 अक्टूबर को दीपावली मनाना शुभ रहेगा। 21 अक्टूबर को स्नान-दान की कार्तिक अमावस्या होगी। कार्तिक मास ऋतु परिवर्तन का समय भी है, जब वर्षा ऋतु के बाद शीत ऋतु की शुरुआत होती है। इस दौरान सुबह जल्दी उठना, स्नान करना और सूर्य की पूजा करना शुभ माना जाता है।

चरवाहे को लगा करंट, मौत-मवेशी चराने गया था, खेत मेढ़ पर तार में फंसा मिला पैर

उमरिया, एजेंसी। उमरिया जिले के मानपुर थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से एक चरवाहा की मौत हो गई। घटना बुधवार को छपडौर गांव के पास हुई, जहां चरवाहा मवेशी चराने गया था। सूचना मिलने के बाद मानपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

मृतक की पहचान लगभग 55 वर्षीय चुटदनिया पाल के रूप में हुई है। बुधवार दोपहर जब चुटदनिया घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। देर रात परिजनों को वह खेत की मेढ़ पर अचेत अवस्था में मिला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के पैर के पास एक बिजली का तार भी मिला है, जिससे आशंका है कि उसकी मौत करंट लगने से हुई है।

शव मिलने की जानकारी के बाद परिवारजन और ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। गुरुवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मानपुर अस्पताल भेजा। मानपुर थाना प्रभारी मुकेश मर्सकोले ने गुरुवार को बताया कि शव के पास तार मिला है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्यवाही कर रही है और सभी संभावित बिंदुओं पर गहनता से जांच की जाएगी।

मंदसौर में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग

बाहर खड़ी कार भी जली, लाखों का नुकसान हुआ

मंदसौर, एजेंसी। जिले के ग्राम अरनिया निजामुद्दीन में गुरुवार सुबह एक मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में घर के बाहर खड़ी एक मारुति इको कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। यह घर मोहम्मद रज्जाक शेख का है। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

तेज लपटों से सोयाबीन की फसल जली

जानकारी के मुताबिक आग लगने से घर में रखे लगभग 20 हजार रुपये नकद, बिस्तर और सोयाबीन की फसल भी जल गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि घर का अधिकांश सामान नष्ट हो गया।

सभी की मदद से आग पर काबू पाया गया साथ ही आग बुझाने के दौरान सादिक पिता मोहम्मद हुसैन शेख के दोनों हाथ झुलस गए जिसे स्थानीय लोगों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया है।

10-12 लाख का सामान राख हुआ

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस अग्निकांड में करीब 10 से 12 लाख रुपये के नुकसान की आशंका है। नई आबादी थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

जिला अस्पताल के पास सड़क पर महिला का प्रसव

भर्ती करने के बाद जांच के लिए भेजा, परिजन बोले- डॉक्टरों ने समय पर नहीं की जांच

छतरपुर, एजेंसी । छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती महिला का सड़क पर प्रसव होने की घटना सामने आई है। महिला को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के कराने के लिए ले जाने के बाद महिला ने अस्पताल के गेट के बाहर सड़क पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों की लापरवाही और जांच में देरी के कारण यह घटना हुई।

यह घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है, जिसका खुलासा गुरुवार सुबह हुआ। महिला के परिजनों ने ई-रिक्शा से उसे अस्पताल के गेट तक लाने के बाद स्टाफ को सूचना दी गई। इसके बाद नर्स ने आकर बैरिकेड लगाकर गेट बंद किया और जच्चा-बच्चा को अस्पताल के वार्ड में भर्ती कराया।

में देरी के कारण सड़क पर हुआ प्रसव

कुरेला, थाना राजनगर निवासी 29 वर्षीय कुसुम पति कालीचरण आदिवासी को बुधवार सुबह प्रसव पीड़ा हुई थी। उन्हें पहले राजनगर अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। महिला को दोपहर 12 बजे जिला अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भर्ती किया गया था। जहां मां और बेटी दोनों स्वस्थ्य हैं।

प्रसूति वार्ड में डॉक्टर ने महिला की जांचें लिखीं और पर्चा परिजनों को थमा दिया। परिजन जांच के लिए सेंट्रल लैब पहुंचे, जहाँ अन्य मरीजों की भीड़ के कारण काफी समय लग गया। पति कालीचरण ने बताया कि जांच में देरी होने के कारण उनकी पत्नी का प्रसव सड़क पर ही हो गया।

ननद बोली- खून की कमी बताई, फिर नॉर्मल डिलीवरी हुई

महिला की ननद सोना ने बताया कि दोपहर 12 बजे अस्पताल लाने पर डॉक्टर ने खून की कमी बताई और खून लाने को कहा। उनका भतीजा खून के लिए भटकता रहा, लेकिन कहीं खून नहीं मिला। इसी दौरान महिला को घबराहट हुई और वे उसे अस्पताल के बाहर लेकर पहुंचे ही थे, जहां ई-रिक्शा में ही उसका प्रसव हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने समय पर देखभाल नहीं की। यदि समय पर इलाज मिल जाता तो प्रसव अस्पताल के अंदर ही हो जाता। उन्होंने यह भी कहा कि यदि खून की कमी होती तो डिलीवरी कैसे हो जाती, जबरन खून चढ़ाने के लिए लिखा गया था। महिला कुसुम, पति कालीचरन, एक आदिवासी परिवार से हैं और पति मजदूरी का काम करते हैं। उनका परिवार तीन बेटियों वाला है – बड़ी बेटी माया, 8 साल की, दूसरी बेटी माया, 5 साल की, और नवजात बेटी, जो अभी PNC वार्ड में भर्ती है।

इस मामले पर सीएमएचओ आरती गुप्ता ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

वेस्टइंडीज पर एक और बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। पहले मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से ओतप्रोत मेजबान भारत शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को एक और करारी शिकस्त देने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा हालांकि इस मैच में उसकी निगाहें साई सुदर्शन के धैर्य और घरेलू परिस्थितियों में नीतीश कुमार रेड्डी की उपयोगिता पर टिकी होंगी।

भारत के पास प्रतिभाशाली क्रिकेटरों का शानदार समूह है, जिनमें से प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी भी शीर्ष टीम में जगह बनाने में सक्षम है। उसका मुकाबला वेस्टइंडीज की उस टीम से होगा जिसका अतीत गौरवशाली रहा है लेकिन जो वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों की विश्व भर में टी20 लीग में खेलने के लिए बड़ी मांग है लेकिन खेल के सबसे लंबे प्रारूप में उसके पास बेहद कमजोर और अनुभवहीन खिलाड़ी हैं।

अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उसकी टीम किसी भी समय भारत के सामने चुनौती पेश नहीं कर सकी। भारत ने यह मैच पारी के अंतर से जीता था जो कैरेबियाई क्रिकेट की वर्तमान स्थिति का प्रमाण है। भारत के लिए एक और प्रभावशाली प्रदर्शन का मतलब सिर्फ श्रृंखला जीतना नहीं है, बल्कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप अंक तालिका पर अपनी स्थिति मजबूत करना और इस साल के अंत में घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कड़ी चुनौती के लिए आत्मविश्वास बढ़ाना भी है।

भारत फिरोज शाह कोटला में भी मैच को जल्दी समाप्त कर सकता है जहां की पिच से शुरू में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यह तय है कि भारत अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं करेगा और नीतीश टीम में बने रहेंगे जिन्हें टीम प्रबंधन भविष्य के लिए गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में वह नीतीश को अपनी गेंदबाजी पर अधिक ध्यान देने के लिए कह रहा है।

चयनकर्ता और कोच अभी साई सुदर्शन को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं, लेकिन वह पिछली सात पारियों में से छह में असफल रहे। इस तरह की परिस्थितियां एक ऐसे खिलाड़ी के लिए वास्तविकता की परीक्षा पेश करती हैं, जो अभी भी लाल गेंद के चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहा है। यशस्वी जायसवाल ने पहले मैच में अच्छी शुरुआत की जबकि केएल राहुल अपने जीवन की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले छह टेस्ट मैचों में तीन शतक लगाए हैं।

कप्तान शुभमन गिल ने भी पहले मैच में अर्धशतक जड़ा। ऐसे में सुदर्शन का खराब स्कोर खटक रहा है क्योंकि ध्रुव जुरेल और रवींद्र जडेजा ने भी अहमदाबाद में शतक लगाए थे। सुदर्शन को हालांकि गिल का समर्थन प्राप्त है, लेकिन इस बल्लेबाज को अपने विकेट की कीमत को समझना पड़ेगा क्योंकि उनकी जगह लेने के लिए कई अन्य खिलाड़ी कतार में खड़े हैं। भारतीय टीम जहां खेल के हर विभाग में मजबूत नजर आती है वही वेस्टइंडीज का प्रत्येक विभाग कमजोर नजर आता है।

वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी टीम की टेस्ट क्रिकेट में यह गिरावट कैंसर के समान है जिसका इलाज फिलहाल असंभव लगता है। मंगलवार की शाम को जब भारतीय टीम मुख्य कोच गौतम गंभीर के निवास पर रात्रि भोज के लिए एकत्रित हुई, तो वेस्टइंडीज के खिलाड़ी अनौपचारिक अभ्यास सत्र के लिए पास के गोल्फ कोर्स में चले गए। वहां तीन महान खिलाड़ियों सर विवियन रिचर्ड्स, सर रिची रिचर्डसन और ब्रायन लारा ने खिलाड़ियों से बात की।

अब यह देखना बाकी है कि वेस्टइंडीज के खिलाड़ी इन दिग्गजों से मिली सलाह का कितना फायदा उठा पाते हैं। कोटला की पिच मुख्य रूप से काली मिट्टी वाली है और इस पर शॉट खेलने के अच्छे मौके हैं। अगर भारत पहले बल्लेबाजी करता है तो शीर्ष क्रम फिर से वेस्ट इंडीज के क्लब स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करना चाहेगा। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में पहले टेस्ट में केवल जेडन सील्स ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए थे।

टीम :

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, बी साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जड़ेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल, नारायण जगदीसन (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल।

वेस्टइंडीज : रोस्टन चेज (कप्तान), तेगनारायण चंद्रपॉल, जॉन कैंपबेल, एलिक अथानाज़, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, जस्टिन ग्रीव्स, खारी पियरे, शाई होप, जेडन सील्स, जेमेल वार्रिकन, केवलन एंडरसन, जेडिया ब्लेड्स, टेविन इमलाच, एंडरसन फिलिप।

टेस्ट रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ स्थान पर पहुंचे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद टेस्ट में 104 रन की नाबाद पारी खेलने वाले भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने छह पायदान की छलांग लगाई है। 36 वर्षीय जडेजा की इससे पहले टेस्ट में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 29 थी, जो उन्होंने इसी साल जुलाई में हासिल की थी। न सिर्फ बल्ले, बल्कि रवींद्र जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ गेंद से भी सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 4 विकेट हासिल किए। शानदार प्रदर्शन के चलते जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वह ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं।

दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के विरुद्ध पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 3 विकेट हासिल करने वाले मोहम्मद सिराज गेंदबाजों की सूची में 3 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पहली बार 700 रेटिंग अंकों को पार किया है।

इस टेस्ट मैच के साथ अपनी रैंकिंग सुधारने वाले अन्य खिलाड़ियों में केएल राहुल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं, जिन्होंने शतकीय पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में तरक्की की है।

केएल राहुल चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि अपना पहला टेस्ट शतक लगाने के बाद ध्रुव जुरेल 20 पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर आ गए। इस बीच, बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल चार विकेट लेकर सात पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

रोहित और विराट के संन्यास के बाद केएल राहुल पर है बड़ी जिम्मेदारी : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद राहुल पर बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। जियोहॉटस्टार से बात करते हुए पार्थिव पटेल ने कहा, केएल राहुल जिम्मेदारी के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी राहुल पर आ गई है। हम उनके कौशल को जानते हैं। वह स्पिनरों के खिलाफ गेंद को अपने पास आने देते हैं और अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हैं। यह शैली उन पर पूरी तरह से जंचती है। अब सबसे जरूरी चीज है गति पकड़ने की उनकी क्षमता, जिसका जिक्र उन्होंने खुद किया है। वह शुरुआत में समय लेते हैं, गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षण का आकलन करते हैं, और फिर आक्रमण करने के लिए सही मौके चुनते हैं। वर्तमान में, टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत लगभग 36 का है। वह इस आंकड़ों से कहीं बेहतर बल्लेबाज हैं।

महिला विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में बड़ा रिकॉर्ड बना सकती है दीप्ति शर्मा, मात्र 4 विकेट दूर

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश), एजेंसी । आईसीसी महिला विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रही भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा महिला वनडे में 150 विकेट का आंकड़ा छूने वाली अपनी टीम की दूसरी खिलाड़ी बनने से सिर्फ चार विकेट दूर हैं।

श्रीलंका और पाकिस्तान पर जीत के बाद अपराजित भारत जोश से भरे दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा, जिसने अपने अभियान के पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ महज 70 रन के लक्ष्य का बचाव करते हुए 10 विकेट से मिली हार को भुला दिया है। इसके बाद उसने न्यूजीलैंड पर भी जीत हासिल की जिसमें ताजमिन ब्रिट्स ने रिकॉर्ड तोड़ शतक जड़ा था। दीप्ति जिनका अब तक टूर्नामेंट में प्रदर्शन शानदार रहा है, अपनी दाएं हाथ की ऑफ स्पिन से %एक्स% फैक्टर साबित होंगी।

6/20 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: दीप्ति ने 114 मैचों में 27.92 की औसत से 146 विकेट लिए हैं, जिसमें 6/20 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, तीन बार पारी में पांच विकेट भी शामिल हैं। वह महिला वनडे में भारत की ओर से दूसरी सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, उनसे आगे दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी (204 मैचों में 22.04 की औसत से 255 विकेट) हैं।

दीप्ति के अब तक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट : दीप्ति अब तक टूर्नामेंट में 6 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं, जिनमें से प्रत्येक मैच में उन्होंने 16 से थोड़ा ज़्यादा की औसत से तीन विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/45 रहा है। उन्होंने दो पारियों में 78 रन भी बनाए हैं जिसमें श्रीलंका के खिलाफ उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 53 रन रहा है। झूलन विशेष रूप से महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज भी हैं।

टीमें : दक्षिण अफ्रीका = लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), तज़्मिन ब्रिट्स, सुने लुस, मारिज़ैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, मसाबाता क्लास, अयाबोंगा खाका, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे, काराबो मेसो, एनेरी डर्कसेन

भारत = प्रतीका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देयोल, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), श्री चरणी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, अमनजोत कौर, उमा छेत्री, अरुंधति रेड्डी, राधा यादव।

महिला विश्व कपः पाकिस्तान की शर्मनाक हार, 107 रन से जीती ऑस्ट्रेलिया

कोलंबो, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 के नौंवे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रन से हराकर अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद खराब थी। टीम ने महज 76 के स्कोर पर 7 और 115 के स्कोर पर 8 विकेट गंवा दिए। इस समय ऐसा लग रहा था कि मैच का परिणाम पाकिस्तान के पक्ष में आएगा, लेकिन नौंवे विकेट के लिए बेथ मूनी और अलाना किंग के बीच रिकॉर्ड 106 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 221 तक पहुंचा दिया। बेथ मूनी आखिरी गेंद पर आउट हुईं। मूनी ने 114 गेंद पर 11 चौके की मदद से 109 रन की पारी खेली। मूनी का वनडे में पांचवां शतक था। वहीं, अलाना किंग ने 49 गेंद पर 51 रन बनाए। दसवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाने वाली वह पहली बल्लेबाज बनीं।

पाकिस्तान के लिए नशरा संधु ने 3, कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2, और डायना बेग और सादिया इकबाल ने 1-1 विकेट लिए। 222 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी ऑस्ट्रेलिया की तरह ही हुई। पाकिस्तान ने भी 49 पर 6 और 78 रन पर अपने 7 विकेट खो दिए। ऐसी स्थिति से ऑस्ट्रेलिया निकल गई थी, पाकिस्तान नहीं निकल सकी।

रोहित शर्मा ने खरीदी टेस्ला की इलेक्ट्रिक कार, नंबर प्लेट में छिपा है 'फैमिली लव'

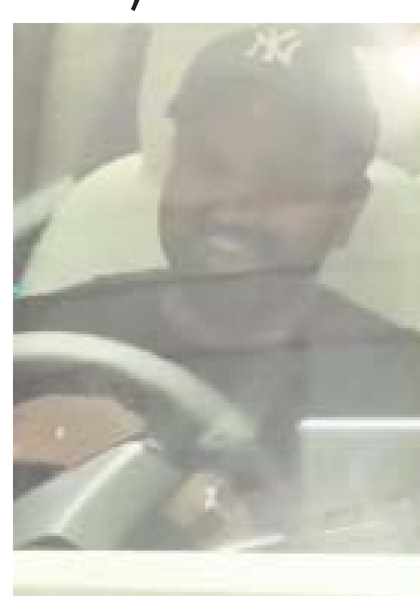

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार बल्ले से नहीं, बल्कि अपनी लग्ज़री इलेक्ट्रिक कार से। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में रोहित को टेस्ला चलाते हुए देखा गया, और फैंस उनकी इस नई सवारी पर फिदा हो गए हैं। 38 वर्षीय स्टार बल्लेबाज़ ने काली टी-शर्ट और टोपी पहन रखी थी, और सीट बेल्ट बांधते हुए कैमरे में कैद हुए।

नंबर प्लेट में बच्चों की झलक: रोहित की टेस्ला की सबसे ख़ास बात सिर्फ़ उसका ब्रांड नहीं, बल्कि उसकी नंबर प्लेट है। दरअसल, उसमें उनके दोनों बच्चों बेटी समायरा (30 दिसंबर) और बेटे अहान (15 नवंबर) की जन्मतिथि शामिल है। यह वही स्पेशल नंबर है जिसे उन्होंने अपनी नई लेम्बोर्गिनी उरुस एसई के लिए भी रजिस्टर कराया है।

रोहित का लग्जरी कार कलेक्शन: 'हिटमैन' के गैराज की झलक किसी सुपरकार शो से कम नहीं। उनके पास पहले से ही क्र्क्ष्ठ्ठ, मर्सिडीज और पुरानी ब्लू लेम्बोर्गिनी उरुस जैसी कारें हैं। अब इस फ्लीट में टेस्ला और नई लेम्बोर्गिनी उरुस एसई जुड़ने से उनका कलेक्शन और भी शानदार हो गया है। फैंस कह रहे हैं, रोहित सिर्फ क्रिकेट में नहीं, कारों के मामले में भी क्लास दिखाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी की जीत पर मिला सम्मान: सिर्फ कार ही नहीं, मैदान पर भी रोहित के नाम नई उपलब्धि जुड़ी है। हाल ही में मुंबई में आयोजित CEAT क्रिकेट अवॉर्ड्स में उन्हें भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने के लिए क्रिकेट के लीजेंड सुनील गावस्कर ने विशेष स्मृति चिन्ह भेंट किया।

यह सम्मान उस कप्तान को दिया गया जिसने 2023 विश्व कप की निराशा के बाद टीम को दोबारा खड़ा किया और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी तक विजयी बनाया।

रोहित बोले - यह सालों की मेहनत का नतीजा है

कार्यक्रम के दौरान रोहित ने टीम इंडिया की जर्नी पर दिल छू लेने वाली बातें कहीं। उन्होंने कहा, ये किसी एक साल की नहीं, बल्कि कई सालों की मेहनत का नतीजा है। हम कई बार ट्रॉफी के करीब पहुँचे, लेकिन चूक गए। तब हमने तय किया कि अब कुछ अलग करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम की अनुशासित प्रक्रिया और सुधार की सोच ने ही सबकुछ बदल दिया, हर खिलाड़ी इस सोच में शामिल था कि कैसे बेहतर बनें, आत्मसंतुष्ट न हों, और खुद को चुनौती देते रहें। यही हमारी सफलता की असली कुंजी है।

राशिद खान ने रचा इतिहास

ये मुकाम हासिल करने वाले अफगानिस्तान के पहले गेंदबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। अबू धाबी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही वनडे में अफगानिस्तान के स्पिन जादूगर राशिद खान ने वो मुकाम हासिल कर लिया, जिस तक अब तक कोई अफगान गेंदबाज नहीं पहुंच पाया था। राशिद ने अपनी घूमती गेंदों से बांग्लादेशी बल्लेबाज़ों को खूब परेशान किया और करियर का 200वां वनडे विकेट लेकर एक नया मील का पत्थर स्थापित किया। उनकी इस उपलब्धि ने अफगान क्रिकेट इतिहास में सुनहरा अध्याय जोड़ दिया है।

200 विकेट का जादुई आंकड़ा

अबू धाबी में खेले जा रहे वनडे में राशिद खान ने 10 ओवर में 38 रन देकर तीन विकेट झटके। उन्होंने बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज, जाकिर अली और नूरुल हसन को पवेलियन भेजा। इस प्रदर्शन के साथ ही राशिद ने 115 मैचों की 107 पारियों में 20.28 की औसत और 4.23 की शानदार इकॉनमी से 202 विकेट पूरे किए। उनका बेस्ट फिगर 7 विकेट पर 18 रन है, जो किसी भी इंटरनेशनल लेवल के स्पिनर के लिए सपना प्रदर्शन कहा जा सकता है। राशिद के बाद अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी (176 विकेट, 174 मैच) और दौलत ज़दरान (115 विकेट, 82 मैच) हैं, लेकिन 200 के आंकड़े तक अभी कोई नहीं पहुंचा।

बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाई

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश टीम 53/3 पर संकट में थी। इसके बाद तौहीद हृदय (56 रन) और मेहदी हसन (60 रन) ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। हालांकि, जैसे ही राशिद ने लय पकड़ी, बांग्लादेश फिर से बैकफुट पर चला गया। हृदय के रनआउट होने के बाद राशिद के तीन तगड़े झटकों ने पारी को तोड़कर रख दिया और टीम 221 रन पर सिमट गई। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई ने भी कमाल किया, उन्होंने 3/40 के आंकड़े के साथ राशिद का बेहतरीन साथ निभाया। अल्लाह गजनफर और नांगेयालिया खारोटे ने भी अहम विकेट चटकाए।

गुरबाज और उमरजई की शानदार बल्लेबाजी

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत मजबूत रही। रहमानुल्लाह गुरबाज़ (50) और इब्राहिम जद्रान (23) ने पहले विकेट के लिए 52 रन जोड़े। इसके बाद रहमत शाह (50) और गुरबाज़ के बीच 78 रनों की साझेदारी ने मैच पर अफगानिस्तान की पकड़ मजबूत कर दी। अंत में अजमतुल्लाह उमरजई ने बल्ले से भी चमक बिखेरी, 44 गेंदों पर 40 रन की तेज पारी खेलकर कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (33*) के साथ टीम को 17 गेंद पहले ही जीत दिला दी। उमरजई को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' चुना गया।

श्रृंखला में अफगानिस्तान की बढ़त

इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है। इससे पहले बांग्लादेश ने टी20 सीरीज़ 3-0 से जीती थी। राशिद के ऐतिहासिक प्रदर्शन ने अफगानिस्तान के लिए एक नया अध्याय लिखा, अब दुनिया जानती है कि अफगान स्पिन का जादू सिर्फ टी20 तक सीमित नहीं है।

विश्व जूनियर बैडमिंटन : भारत ने यूएई को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत ने नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यूएई को सीधे सेटों में हराकर योनेक्स-सनराइज बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के क्वार्टरफाइनल की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। भारत ने यूएई को 45-37, 45-34 से हराते हुए आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया।

टीम की शुरुआत तन्वी शर्मा ने की, जिन्होंने भारतीय जूनियर चैंपियन प्रकृति भरत को 9-5 से हराया। इसके बाद सी लालरामसांगा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी ने भी 18-10 से जीत दर्ज की। यूएई ने लड़कों के एकल और युगल मुकाबलों में अच्छी चुनौती दी, लेकिन भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी।

ग्रुप ए में भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, अमेरिका और फ्रांस ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जापान ने शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

अब भारत को अपने क्वार्टरफाइनल प्रतिद्वंदी का पता ग्रुप जी में शीर्ष पर रहने वाली टीम के मुकाबले के बाद ही चलेगा। भारत इस टूर्नामेंट में एकमात्र अपराजित टीम के रूप में आगे बढ़ रहा है, और टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन देश के लिए उम्मीद जगाता है।

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरा कराएं : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा कराएं। निर्माण कार्यों में देरी करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। कार्यपालन यंत्री हर माह निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। निर्माणाधीन सांदीपनि विद्यालय के सभी भवनों का कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा कराकर इनका लोकार्पण कराएं। निर्माण कार्यों में किसी भी तरह की बाधा आने पर तत्काल इसकी सूचना दें। निर्माण एजेंसियों को कार्यों की प्रगति के अनुसार समय पर राशि का भुगतान कराएं। बैठक में कलेक्टर द्वारा पीआईयू तथा मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने भवन विकास निगम के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सेमरिया और जवा में निर्माणाधीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य दो माह में पूरा कराएं। कार्यपालन यंत्री इन भवनों को पूरा करने के लिए, मांग की गई राशि के संबंध में तथ्यों सहित प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। कैंसर यूनिट और विश्वविद्यालय परिसर में निर्माणाधीन भवन के निर्माण कार्यों में भी तेजी लाएं। मेडिकल कालेज में अधोसरंचना विकास के लिए 321.94 करोड़ की राशि मंजूर की गई है। इस मद से किए जा रहे कार्यों की पूरी जानकारी प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने पीडब्ल्यूडी पीआईयू के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि एसडीएम कार्यालय जवा तथा त्योंथर के भवनों का निर्माण एक माह में पूरा कराकर इनका लोकार्पण कराएं। सांदीपनि पीके स्कूल के निर्माण कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। इसमें ऑडिटोरियम तथा मध्यान्ह भोजन को छोड़कर शेष निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा कराएं। बैठक में कलेक्टर ने छात्रावास भवन निर्माण के लिए तत्काल भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में कार्यपालन यंत्री पीआईयू डीएस त्रिपाठी ने बताया कि विभाग में वर्तमान में 36 कार्य स्वीकृत हैं। इनमें से 31 निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं। तीन कार्यों में भूमि प्राप्त न होने के कारण इनका निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सका है। इनमें अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में दो स्वीकृत छात्रावासों का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू हो जाएगा। सांदीपनि विद्यालय मनगवां का निर्माण कार्य इसी माह पूरा हो जाएगा। सांदीपनि विद्यालय रायपुर कर्चुलियान, सिरमौर, त्योंथर, रघुराजगढ़, सेमरिया का निर्माण कार्य 31 दिसम्बर तक पूरा हो जाएगा। पीके स्कूल भवन का निर्माण कार्य मार्च 2026 तक पूरा होगा। मेडिकल कालेज में छात्रों के लिए 144 सीटर तथा छात्राओं के लिए 130 सीटर छात्रावास का निर्माण जनवरी माह तक पूरा हो जाएगा। बैठक में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, स्कूल भवन, इंजीनियरिंग कालेज में साइंस लैब निर्माण सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में डिप्टी कलेक्टर सुधीर बेक, कार्यपालन यंत्री भवन विकास निगम, अनुविभागीय अधिकारी संजीव कालरा, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा कंसल्टेंट उपस्थित रहे।

फेमस 'प्रसादम रेस्टोरेंट' के कारखाने पर छापा

केक में डाल रहे थे एक्सपायरी सामान, इंडस्ट्रियल एसिड डालकर बना रहे थे ढोकला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिवाली से पहले खाद्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फेमस 'प्रसादम रेस्टोरेंट' के कारखाने पर छापा मारा है। बुधवार को हुई इस कार्रवाई में टीम को केक बनाने के लिए एक्सपायरी सामग्री और ढोकले में इस्तेमाल होने वाला अखाद्य (इंडस्ट्रियल) केमिकल मिला है। विभाग ने सारा सामान जब्त कर कंपनी के डायरेक्टर्स के खिलाफ केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके अलावा शहर की कई और दुकानों पर भी कार्रवाई की गई है।

कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देश पर दिवाली त्योहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन और नापतोल विभाग ने मिलकर मिष्ठान विक्रेताओं की जांच का विशेष अभियान शुरू किया है। इसी के तहत यह कार्रवाई की गई।

केक में एक्सपायरी मिक्स, ढोकले में इंडस्ट्रियल एसिड: खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमरीश दुबे ने बताया कि प्रसादम स्वीट्स के निपानिया स्थित कारखाने की जांच के दौरान केक बनाने के लिए रखा गया एक्सपायरी डेट का केक मिक्स और कलर मिला। इसके अलावा, ढोकला बनाने में अखाद्य सिट्रिक एसिड का इस्तेमाल किया जा रहा था, जो इंडस्ट्रीज में इस्तेमाल होता है। टीम ने दोनों को जब्त कर लिया है।

दत्ता डेयरी में फिर मिली मिलावट: संयुक्त टीम ने जेपी मोड़ पर स्थित दत्ता डेयरी एंड स्वीट्स की भी जांच की। यहां मोबाइल लैब से जांच में छैने की मिठाइयों में आरारोट की मिलावट पाई गई। बता दें कि पहले भी इसी दुकान का मिल्क केक मिलावटी पाया गया था, जिसका केस एडीएम कोर्ट में चल रहा है।

नापतोल विभाग ने भी की कार्रवाई, कम तौल रहे थे मिठाई: नापतोल विभाग ने महेश स्वीट्स और रतन स्वीट्स के खिलाफ सत्यापित तौल उपकरणों का उपयोग न करने पर केस दर्ज किया है। साथ ही सभी मिठाई विक्रेताओं को डिब्बे का वजन मिठाई के साथ न तौलने के निर्देश दिए गए हैं। टीम ने शहर के कई अन्य प्रतिष्ठानों से भी सैंपल लिए हैं।

रोजगार मेला 16 अक्टूबर को शासकीय टीआरएस कॉलेज रीवा में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय टीआरएस कॉलेज रीवा में 16 अक्टूबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 40 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओं को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में मिग्मा पैकट्रॉन प्रा.लि. इंदौर, बजाज मोटर्स लिमि. हरिद्वार, उत्कर्ष स्मोल फाइनेन्स प्रा.लि. जबलपुर, मुद्रा सोलर प्रा.लि. (अडानी सोलर) कच्छ गुजरात, क्रेस क्रॉप लि. भोपाल, सिनोवा गियर्स एण्ड ट्रांसमिशन प्रा.लि. राजकोट, गुजरात, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा.लि. बेंगलुरू उन्नति एग्रोटेक रामवन सज्जनपुर सतना में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

किराना व्यापारी परिवार पर हमला, पुलिस ने नहीं लिया एक्शन; घायल परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के बहेराडाबर गांव में एक किराना व्यवसायी और उसके परिवार पर लाठी-डंडों तथा धारदार हथियारों से हमला किया गया। इस हमले में व्यवसायी को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज से शिकायत कर सुरक्षा की गुहार लगाई है।

पीड़ित राममणि लोनिया, उनकी पत्नी सोमवती लोनिया और पुत्र लकी लोनिया ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि यह घटना 7 अक्टूबर 2025 को दोपहर करीब 2 बजे हुई। वे अपनी किराना दुकान पर मौजूद थे, तभी गांव के मिश्रीलाल लोनिया ने सामान मांगा। पुरानी उधारी चुकाने की बात कहने पर मिश्रीलाल ने गाली-गलौज की और सोमवती लोनिया से हाथापाई शुरू कर दी।

इसी दौरान आरोपी लल्लू लोनिया, संतोष लोनिया, राजेश लोनिया, परमसुख लोनिया और प्रदुमन लोनिया हथियार लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने फरियादी परिवार पर हमला कर दिया। मारपीट में राममणि लोनिया के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिसमें लगभग 15 टांके लगे। उनके हाथ में फ्रैक्चर भी बताया गया है।

फरियादी पक्ष का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल मऊगंज थाने में दी गई थी, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उनका कहना है कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं और कहते हैं कि हमारे पास पैसा और राजनीति दोनों है, पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती।

परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि आरोपीगण के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए और उनके परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

मोटरसाइकिल सवार को बस ने मारी टक्कर, एक की मौत; एक हुआ घायल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के पनवार थाना अंतर्गत पटियारी के पास बस और मोटरसाइकिल के बीच भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को संजय गांधी अस्पताल रीवा में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, पनवार थाना अंतर्गत शिवपूजन सिंह निवासी चौर और शुभम सिंह पिता हरिमोहन सिंह ग्राम तेंदुनी के दो युवक मोटरसाइकिल से पटियारी से रामबाग की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार पाठक बस ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर के कारण दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जवा भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, सिरमौर के पास ही शिवपूजन सिंह की मौत हो गई।

हीं, शुभम सिंह का संजय गांधी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। इस दुर्घटना ने क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी है और स्थानीय निवासियों ने सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है।

जहां होना चाहिए विलाप, वहां हो रहा भरत मिलाप; संवेदनशीलता की सारी हदें पार

भरत मिलाप कार्यक्रम में पहुंचे डिप्टी सीएम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले सहित अन्य जिलों में सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कफ सिरप से अब तक 24 बच्चों की मौत हो चुकी है। लेकिन यह संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि ग्रामीण अंचल से जानकारी अभी तक प्राप्त नहीं हो पा रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला की लापरवाही और विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अकर्मण्यता का नतीजा है कि निर्दोष बच्चों की दुखद मौत हुई है। तमिलनाडु सरकार ने छिंदवाड़ा में पहली मृत्यु होने पर अपने प्रदेश में इस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने जांच करवाने के नाम पर चार-पांच दिन बेवजह बर्बाद कर दिए। इसी लापरवाही के कारण बच्चे असमय काल के गाल में समा गए।

इतनी बड़ी घटना होने के बाद शासन-प्रशासन जागा और अब बच्चों का इलाज महाराष्ट्र के नागपुर में चल रहा है। सरकार डींगें तो बहुत मारती है कि स्वास्थ्य के लिए, पूरे प्रदेश में बेहतरीन व्यवस्था है, लेकिन प्रदेश सरकार ऐसी अस्पताल तक नहीं बना पाई कि बच्चों का इलाज प्रदेश में हो सके। इतनी गंभीर संकट के बावजूद, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला अपने गृह जिले में भरत मिलाप जैसे सामाजिक कार्यक्रमों का आनंद ले रहे हैं, क्योंकि उन्हें बच्चों की मौत का दुख ही नहीं है। क्या यह शर्मनाक स्थिति नहीं है?

सेमरिया के विधायक अभय मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि रीवा विधायक और मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री स्वास्थ्य मंत्री को इतने संवेदनशील विभाग का जिम्मा नहीं देना चाहिए। उनका पूरा ध्यान बिल्डिंग, सड़क, पुल, फ्लाईओवर बनाने की तरफ रहता है। स्वास्थ्य विभाग किसी संवेदनशील व्यक्ति को देना चाहिए।

ओबीसी महासभा मूलनिवासी विद्यार्थी संघ द्वारा मनाई गई कांशीराम की 20वीं पुण्यतिथि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ओबीसी महासभा मूलनिवासी विद्यार्थी संघ के संयुक्त तत्वाधान में बहुजन नायक कांशीराम साहब की 20वीं पुण्यतिथि बड़े धूमधाम एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जानकी सेन, जिला अध्यक्ष ओबीसी महासभा, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पप्पू कनौजिया, प्रदेश महासचिव, रामशरण कोरी, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, लक्ष्मण साहू और रविराज बौद्ध उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष छोटेलाल रजक और सुनील बंसल द्वारा किया गया।

अपने उद्बोधन में छोटेलाल रजक ने कहा कि कांशीराम साहब ने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को संगठित कर राजनीतिक और सामाजिक चेतना की ज्योति प्रज्वलित की। उनके विचार आज भी समाज के उत्थान और आत्म-सम्मान की दिशा में मार्गदर्शक हैं। वक्ताओं ने कहा कि हमें महापुरुषों के विचारों को अंगीकृत कर समाज में समानता, भाईचारा और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए सतत प्रयत्नशील रहना होगा। साथ ही, इस अवसर पर सभी ने कांशीराम साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

गुढ़ पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर बाइक की बरामद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। गुढ़ थाना प्रभारी शैल सिंह यादव के अथक प्रयासों से 24 घंटे के अंदर चोरी गई बाइक, प्लेटिना मोटरसाइकिल (एमपी53-एमए-4226), जिसकी कीमत 80,000 रुपये है, बरामद की गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 08 अक्टूबर 2025 को फरियादी ने गुढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी बाइक चोरी हो गई है। गुढ़ थाना प्रभारी शैल यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने मुखबिरों की सहायता से पुलिस का चारों ओर जाल बिछाया और त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर के बताए अनुसार आरोपी दौलत खान, पिता सरफराज उर्फ मझिले अली खान, उम्र 25 वर्ष को महाडाडी थाना गुढ़ से पकड़ लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी करने की बात कबूल की। उसने पुलिस को बताया कि 7 अक्टूबर को उसने बाइक चुराई थी। इसके बाद गुढ़ पुलिस ने चोरी गई बाइक बरामद की और आरोपी के खिलाफ चोरी का प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए उसे माननीय न्यायालय रीवा के समक्ष प्रस्तुत किया।

इस कार्रवाई में उनि. शैल यादव, सउनि. सुरेश साकेत, प्र.आर. द्वारिका पटेल, रामरतन वर्मा, आरक्षक मनोज निनामा, विपिन यादव, सुधीर शुक्ला, मयंक गौतम, योगेन्द्र सिंह, सैनिक काशीनाथ यादव और संतोष मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एमपीईबी का जूनियर इंजीनियर रिश्वत लेते ट्रैप, 10 हजार लेते हुए पकड़ाया; संविदाकार से राशि जारी करने मांगी थी घूस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोकायुक्त टीम ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी रीवा के कनिष्ठ यंत्री किशोर त्रिपाठी को 10,000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यही नहीं, लोकायुक्त ने इस मामले में दो अन्य कर्मचारियों को भी हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार, सोलर सिस्टम लगाने वाले संविदाकार से भुगतान की राशि जारी करने के एवज में कुल 18,000 की रिश्वत मांगी गई थी। संविदाकार लकी दुबे, जो ठेकेदारी कार्य करते हैं, इस मांग से परेशान होकर लोकायुक्त रीवा में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद लोकायुक्त टीम ने योजना बनाकर ट्रैप कार्रवाई की।

सूत्रों का कहना है कि लोकायुक्त पुलिस ने जाल बिछाकर जैसे ही किशोर त्रिपाठी ने शिकायतकर्ता से 10,000 की राशि ली, टीम ने मौके पर दबिश दी और उसे रिश्वत की रकम सहित रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। लोकायुक्त निरीक्षक के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से एमपीईबी कार्यालय में हड़कंप मच गया। कई अधिकारी और कर्मचारी कार्रवाई के दौरान कार्यालय से नदारद हो गए।

लोकायुक्त सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार तीनों कर्मचारियों से पूछताछ जारी है। रिश्वत की रकम जब्त कर ली गई है और आगे की जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि भुगतान जारी करने में और कौन-कौन कर्मचारी संलिप्त थे। लोकायुक्त अधिकारी ने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी और किसी भी सरकारी विभाग में रिश्वतखोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रभारी कमिश्नर ने किया जिला पंचायत का औचक निरीक्षण, सीईओ जिला पंचायत को नोटिस जारी करने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रभारी कमिश्नर प्रतिभा पाल ने जिला पंचायत रीवा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिकायत, सूचना का अधिकार, सतर्कता, आवक-जावक लेखा, पंचायतराज आदि शाखाओं का निरीक्षण कर प्रस्तुत की गई फाइलों में हुई कार्यवाही का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी कमिश्नर ने आवक-जावक शाखा में पत्रों को भेजे जाने में विलंब पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सतर्कता शाखा में धारा-40 सहित अन्य प्रकरणों में किये गये पत्राचार का अवलोकन किया तथा व्यवस्थित ढंग से प्रस्तुतिकरण न होने पर आपत्ति व्यक्त की। प्रतिभा पाल ने लेखा शाखा में बिलों के भुगतान के संबंध में प्रस्तुत फाइलों का निरीक्षण किया अवलोकन के दौरान विभिन्न शाखाओं में फाइलें लंबित रहने पर सीईओ जिला पंचायत को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजी में अनुपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को नोटिस देने के लिये निर्देशित किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघट सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।